*भारत के भुगतान संतुलन में अदृश्य मदें: सेवाओं, धन प्रेषणों एवं आय में व्यापार का विश्लेषण**

* अंतरराष्ट्रीय वित्त प्रभाग, आर्थिक विश्लेषण और नीति विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक में तैयार किया गया।

परिचय

भारत के भुगतान संतुलन (बीओपी) में अदृश्य खाता अर्थव्यवस्था के भीतर जारी संचनात्मक रूपांतरणों एवं साथ ही साथ विश्व अर्थव्यवस्था के साथ इसके बढ़ते हुए एकीकरण को परिलक्षित करता है। 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों में सुधार एवं उदारीकरण पर दिए जा रहे बल ने न केवल व्यापार के लिए अपितु कुशल श्रमिकों को भी नए अवसर उपलब्ध कराए हैं जो माल एवं सेवाओं में भारत के व्यापार की दिशा एवं श्रमिकों के प्रवासन में परिलक्षित होता है। यह रूपांतरण अदृश्य मदों के अंतर्गत प्राप्तियों की वृद्धि में परिलक्षित होता है जिसमें सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार, वित्तीय आस्तियों से आय, श्रम एवं संपत्ति तथा क्रॉस बॉर्डर अन्तरण, मुख्य रूप से श्रमिकों के प्रेषण जिसने देश के लिए प्रमुख विदेशी मुद्रा कमाने वाले के रूप में वाणिज्यिक वस्तुओं की निर्यात वृद्धि के साथ गति बरकरार रखी है, शामिल है। इन घरेलू कारकों से भिन्न, उच्च विकास की बढ़ी हुई अवधि एवं विश्वभर में निम्न मुद्रास्फीति ने भारत की अदृश्य मदों में महत्त्वपूर्ण वृद्धि करने में योगदान दिया विशेष तौर पर चालू दशक की शुरुआत से। ये विकास भारत के भुगतान संतुलन में परिलक्षित हुए हैं। विशेष तौर पर बीओपी के वर्तमान खाते की दो विशेषताएं हैः मजबूत आर्थिक वृद्धि एवं अधिक अदृश्य मद अतिरेक के कारण उच्च व्यापार घाटे का लगातार बने रहना जिन्होंने सतत रूप से मौजूदा खाता स्थितियों को बड़ा समर्थन उपलब्ध कराया है। अदृश्य मदों के महत्व को देखते हुए इन क्षेत्रों में विकास दो स्तरों में प्रकाशित किए जाते हैं अर्थातः (i) भारत रिज़र्व बैंक की वेबसाइट एवं परिणामस्वरूप भारतीय रिज़र्व बैंक के मासिक बुलेटिन में आइएमएफ के सोशल डेटा डिसेमिनेशन स्टैण्डर्ड्स (एसडीडीएस) की आवश्यकता को पूरा करने के लिए तिमाही आधार पर ब्रॉड हेड्स के साथ मानकीकृत

प्रस्तुतीकरण और (ii) आरबीआइ के मासिक बुलेटिन[1] में 'भारत के भुगतान संतुलन की अदृश्य मदें' शीर्षक के साथ वार्षिक लेख में ब्रॉड हेड्स के ब्रेक अप के साथ विस्तृत प्रस्तुतीकरण। समेकीकरण, वितरण एवं परिभाषिक पहलुओं के विवरण अनुबंध I एवं II में दिए गए हैं।

यह लेख वर्ष 1999-2000 से टाइम सीरीज डेटा के साथ वर्ष 2006-07 (संशोधित) एवं वर्ष 2007-08 (आंशिक रूप से संशोधित) की अवधि के लिए अदृश्य मदों में भारत के व्यापार के संबंध में अलग-अलग सूचनाएं उपलब्ध कराने की दिशा में और भी अधिक योगदान प्रदान करता है। यह लेख निम्नलिखित रूप में व्यवस्थित किया गया है। खण्ड II संकलन के स्तर पर अदृश्य मद खातों के परिमाण एवं प्रवृत्तियों तथा साथ ही सकल घरेलू उधार के संबंध में उनके सापेक्ष महत्व को प्रस्तुत करता है। खण्ड III में अदृश्य मदों एवं उनके डाइनेमिक्स के विभिन्न घटकों का विश्लेषण दिया गया है। यह खण्ड अन्तरदेशीय अनुभवों से प्रेरणा लेते हुए अदृश्य मद खातों को एक अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य भी उपलब्ध कराता है। खण्ड IV में वर्तमान में जारी वैश्विक वित्तीय संकट के परिप्रेक्ष्य में समापनकारी विचार एवं अल्पकालिक दृष्टिकोण दिए गए हैं। अनुबंध में अदृश्य मद खातों की अवधारणाओं एवं विभिन्न शीर्षों की परिभाषाएं प्रस्तुत की गई है।

II. अदृश्य मदों का परिमाण एवं प्रवृत्ति

वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध के क्रमभंग के पश्चात वर्ष 1990 के दशक में अदृश्य मद अतिरेक के पुनरुत्थान ने बाह्य भुगतान स्थिति के जोखिम को बहुत अधिक कम किया है। न केवल पूर्णरूपेण अपितु सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में भी भारत के भुगतान संतुलन में सीधी वृद्धि हुई है विशिष्ट रूप से वर्ष

सारणी 1: निवल अदृश्य मदों की प्रवृत्तियां: प्रमुख घटक

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	1990-91	1995-96	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1. यात्रा	1,064	1,544	897	693	123	-29	1,435	1,417	1,215	2,439	2,095
2. परिवहन	-110	-158	-703	-1,512	-1,306	-736	879	144	-2,012	-94	-1,500
3. बीमा	23	36	109	47	8	19	56	148	-54	553	595
4. सरकार अन्यत्र शामिल नहीं	-158	-205	312	332	235	65	28	-10	-215	-150	-46
5. अंतरण	2,530	8,852	12,638	13,106	15,856	16,838	22,162	20,785	24,687	30,079	41,944
6. आय	-3,752	-3,205	-3,559	-5,004	-4,206	-3,446	-4,505	-4,979	-5,855	-7,331	-4,917
निवेश	–	–	-3,695	-4,664	-3,844	-2,965	-3,757	-4,095	-5,262	-6,762	-4,281
आय कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	–	–	136	-340	-362	-481	-748	-884	-593	-569	-636
7. विविध	161	-1,417	3,449	2,132	4,264	4,324	7,746	13,727	24,236	26,721	36,421
कुल (1 से 7)	**-242**	**5,447**	**13,143**	**9,794**	**14,974**	**17,035**	**27,801**	**31,232**	**42,002**	**52,217**	**74,592**

[1] लेख का पूर्व अंक 1999-2000 से 2006-07 के आंकड़ों को कवर करते हुए फरवरी 2008 के आरबीआइ बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था। ऐसे आंकडे 1999-2000 से 2005-06 की अवधि के लिए आरबीआइ बुलेटिन के नवंबर 2006 के अंक में, 1997-98 से 1999-2000 की अवधि के लिए आरबीआइ बुलेटिन के जनवरी 2001 के अंक में और 1989-90 से 1996-97 की अवधि के लिए आरबीआइ बुलेटिन के अप्रैल 1999 के अंक में प्रकाशित किए गए थे। 1956-57 से 1989-90 की अवधि के आंकड़े 'मोनोग्राफ ऑन इंडियाज बैलेंस ऑफ पेमेन्टस' में जुलाई 1993 में प्रकाशित किए गए थे।

चार्ट 1: भारत की अदृश्य मदों और चालू खाते की प्रवृत्तियां

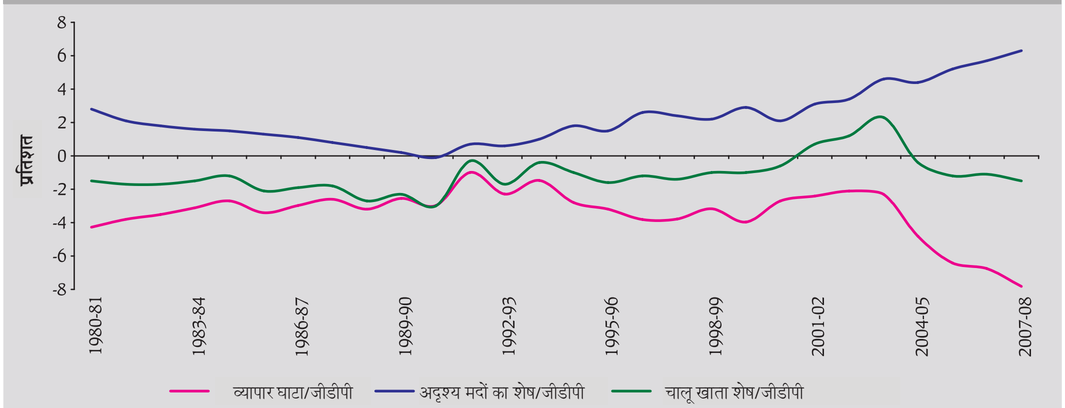

2002-03 से (सारणी 1 एवं चार्ट 1)। फलतः इसने बढ़ते हुए व्यापार घाटे के बावजूद, विभिन्न वर्षों में अतिरेक के साथ, चालू खाता घाटे को एक संकुचित दायरे के भीतर रखा। वर्तमान दशक की शुरुआत से महत्त्वपूर्ण पूंजीगत अंतर्वाहों के साथ इस विकास ने व्यक्तियों एवं कंपनियों दोनों ही के लिए चालू एवं पूंजी खाते पर भुगतान संबंधी पाबंदियों को और भी अधिक सुकर बनाया।

भारत के अदृश्य खाते की एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता सकल प्राप्तियों एवं भुगतान में महत्त्वपूर्ण बढ़ोतरी रही है विशेष तौर पर वर्ष 2002-03 से। अदृश्य प्राप्तियों में बढ़ोतरी सीधी थी जबकि अदृश्य भुगतानों में बढ़ोतरी वष-दर-वर्ष अलग थी (सारणी 2)। सेवाओं एवं निर्यात में सुदृढ़ वृद्धि, विशेष तौर पर सॉफ्टवेयर एवं सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और भारतीयों द्वारा समुद्र पार से धन

सारणी 2: भारत में अदृश्य मदों की प्राप्तियों एवं भुगतान की प्रवृत्तियां

वर्ष	अदृश्य मद संबंधी प्राप्तियां		अदृश्य मद संबंधी भुगतान		निवल अदृश्य मद	
	राशि (अमरीकी डालर में)	वृद्धि (%)	राशि (अमरीकी डालर में)	वृद्धि (%)	राशि (अमरीकी डालर में)	वृद्धि (%)
1	2	3	4	5	6	7
1990-91	7,464	-0.5	7,706	12.0	-242	–
1995-96	17,664	13.6	12,217	23.7	5,447	–
1999-00	30,312	17.6	17,169	3.7	13,143	–
2000-01	32,267	6.4	22,473	30.9	9,794	-25.5
2001-02	36,737	13.9	21,763	-3.2	14,974	52.9
2002-03	41,925	14.1	24,890	14.4	17,035	13.8
2003-04	53,508	27.6	25,707	3.3	27,801	63.2
2004-05	69,533	29.9	38,301	49.0	31,232	12.3
2005-06	89,687	29.0	47,685	24.5	42,002	34.5
2006-07	114,558	27.7	62,341	30.7	52,217	24.3
2007-08	148,604	29.7	74,012	18.7	74,592	42.9

प्रेषण ने अदृश्य प्राप्तियों में स्थायित्व दर्शाया है। दूसरी ओर, अदृश्य भुगतानों में वृद्धि बाह्य ऋण से संबंधित ब्याज भुगतानों, विदेशी निवेश पर लाभांश/लाभ एवं प्रौद्योगिकी तथा व्यापार सेवाओं जिनकी मांग लगातार बढ़ी है से संबंधित भुगतानों द्वारा प्रेरित रही है। वर्ष 2007-08 के दौरान जहां अदृश्य प्राप्तियों में वृद्धि लगातार होती रही वहीं अदृश्य भुगतानों में वृद्धि कम हुई। परिणामतः निवल अदृश्य मदों में वृद्धि पिछले वर्ष के मुकाबले अधिक हुई।

वर्ष 2007-08 के दौरान अदृश्य मदों की प्राप्तियों एवं भुगतानों का क्रमशः चालू खाता प्राप्तियों एवं भुगतानों में एक महत्त्वपूर्ण योगदान था। वर्ष 2000-01 से वर्ष 2007-08 की अवधि के दौरान अदृश्य मदों की प्राप्तियों का चालू खाता प्राप्तियों में लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा था जबकि, अदृश्य मदों के भुगतानों का चालू खाता भुगतानों में लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा था (सारणी 3)। अदृश्य खातों की प्राप्तियों की तुलना में भुगतानों के कमतर क्रम ने काफी अधिक अतिरेक निर्माण में सहयोग प्रदान किया जिससे वर्ष 2001-02 से 2007-08 के दौरान लगभग 35 प्रतिशत की विकास दर देखी गई एवं इसी अवधि के दौरान इसने व्यापार घाटे को पूरी तरह से वित्त पोषित किया।

न केवल पूर्णरूपेण अपितु सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में भी, निवल अदृश्य मदों (अदृश्य मदों की प्राप्तियों से घटाया भुगतान) में काफी अधिक सुधार हुआ। 2001-02 में निवल अदृश्य मदों के अतिरेक सकल घरेलू उत्पाद के 2.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2007-08 में सकल घरेलू उत्पाद के 6.3 प्रतिशत हो गए जो सकल अदृश्य मदों की प्राप्तियों में तीव्र वृद्धि के फलस्वरूप संभव हुए जिसमें 2000-01 में सकल घरेलू उत्पाद के 7.0 प्रतिशत से वर्ष 2007-08 में सकल घरेलू उत्पाद के 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप, सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में वर्तमान प्राप्तियों में वर्ष 2000-01 के 16.9 प्रतिशत से वर्ष 2007-08 में 26.8 प्रतिशत की महत्त्वपूर्ण वृद्धि देखी (चार्ट 2)।

पृथक-पृथक स्तर पर, सेवा निर्यात भारत में अदृश्य मदों की प्राप्तियों के एक प्रमुख योगदानकर्ता रहे हैं जिसके बाद अंतरण एवं आय आती है (सारणी 4)। वर्ष 2007-08 में कुल अदृश्य मदों की प्राप्तियों में सेवा निर्यात का

सारणी 3: व्यापार घाटे के वित्तीयन सहित अदृश्य मदों के चुनिंदा संकेतक

(प्रतिशत)

वर्ष	निवल अदृश्य मदें/ व्यापार घाटा	अदृश्य मदों संबंधी प्राप्तियां/ चालू प्राप्तियां	अदृश्य मदों संबंधी भुगतान/ चालू भुगतान
1	2	3	4
1990-91	-2.6	28.8	21.6
1995-96	48.0	35.3	21.9
1999-00	73.7	44.7	23.7
2000-01	78.6	41.5	28.0
2001-02	129.4	45.1	27.9
2002-03	159.4	43.8	27.9
2003-04	202.7	44.7	24.3
2004-05	92.7	44.9	24.4
2005-06	80.9	46.0	23.3
2006-07	84.5	47.1	24.6
2007-08	81.4	47.2	22.3

चार्ट 2: भारत की अदृश्य मदों की प्राप्तियों और भुगतानों की प्रवृत्तियां

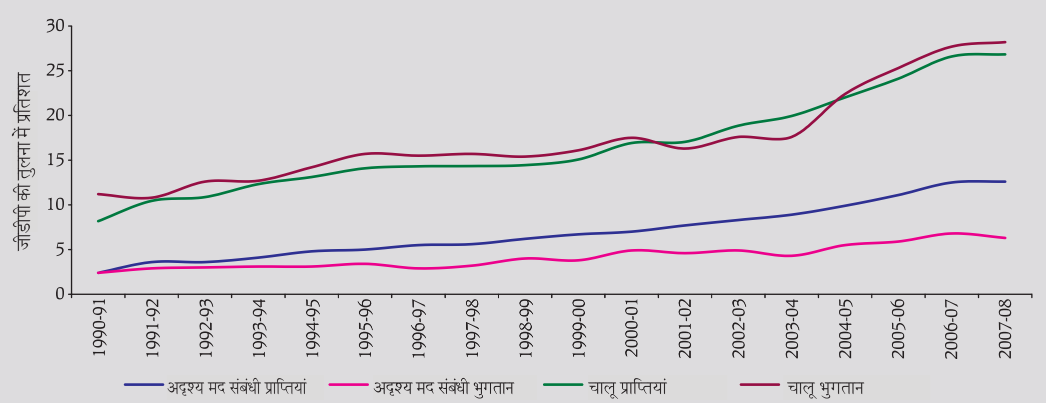

प्रतिशत लगभग 60 प्रतिशत था। पारंपरिक रूप से, जबकि माल व्यापार से संबंधित सेवाएं जैसे परिवहन एवं व्यापार का वित्तपोषण प्रमुख घटक थे, दूर संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में तीव्र विकास ने प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में निवेश में व्यापार से संबंधित कारोबार एवं कम्प्यूटर सेवाओं के उदय में सहायता उपलब्ध करायी है। इस तरह, सेवा व्यापार का मुख्य फोकस एक स्वतंत्र अस्तित्व के रूप में माल के व्यापार के बदले सेवाओं में व्यापार उपलब्ध कराने पर हो गया है जिसमें आपूर्ति के चार तरीके हैं (सीमापार आपूर्ति, विदेश में खपत, वाणिज्यिक उपस्थिति एवं एक प्राकृतिक व्यक्ति की उपस्थिति) ताकि सीमापारीय व्यापार में सेवाएं उपलब्ध कराने से नए अवसर उपलब्ध हो सकें। इन कारकों पर प्रतिबिंब डालते हुए, भारत में सेवाओं के निर्यात का महत्त्व काफी अधिक बढ़ा गया है, जिसमें सेवा-सकल घरेलू उत्पाद अनुपात वर्ष 1990-01 में 1.4 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2007-08 में 7.7 प्रतिशत हो गया, जो सॉफ्टवेयर सेवाओं से प्रेरित था तथा जो आकार एवं लक्ष्य दोनों ही दृष्टि से बढ़ा है। इस बात को परिलक्षित करते हुए, भारत वर्ष 2007-08 में 40.3 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर पर प्रमुख सॉफ्टवेयर निर्यातक

सारणी 4: जीडीपी के अनुसार अदृश्य मद खाते के प्रमुख घटक

(जीडीपी की तुलना में प्रतिशत)

वर्ष	प्राप्तियां				भुगतान				निवल			
	सेवाएं	अंतरण	आय	कुल	सेवाएं	अंतरण	आय	कुल	सेवाएं	अंतरण	आय	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1990-91	1.4	0.8	0.1	2.3	1.1	0.0	1.3	2.4	0.3	0.8	-1.2	-0.1
1995-96	2.1	2.5	0.4	5.0	2.1	0.0	1.3	3.4	0.0	2.5	-0.9	1.5
1999-00	3.5	2.8	0.4	6.7	2.6	0.0	1.2	3.8	0.9	2.8	-0.8	2.9
2000-01	3.5	2.9	0.6	7.0	3.2	0.0	1.7	4.9	0.3	2.9	-1.1	2.1
2001-02	3.6	3.4	0.7	7.7	2.9	0.1	1.6	4.6	0.7	3.3	-0.9	3.1
2002-03	4.1	3.5	0.7	8.3	3.4	0.2	1.4	5.0	0.7	3.3	-0.7	3.4
2003-04	4.5	3.8	0.6	8.9	2.8	0.1	1.4	4.3	1.7	3.7	-0.8	4.6
2004-05	6.2	3.1	0.7	9.9	4.0	0.1	1.4	5.5	2.2	3.0	-0.7	4.4
2005-06	7.1	3.2	0.8	11.1	4.3	0.1	1.5	5.9	2.9	3.1	-0.7	5.2
2006-07	8.1	3.4	1.0	12.5	4.8	0.2	1.8	6.8	3.2	3.3	-0.8	5.7
2007-08	7.7	3.8	1.2	12.6	4.5	0.2	1.6	6.3	3.2	3.6	-0.4	6.3

देश बन गया है एवं जो वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी मंदी के बावजूद भी पिछले आठ वर्षों के दौरान लगभग 34 प्रतिशत की औसत दर पर बढ़ रहा है। सॉफ्टवेयर निर्यात में सतत उछाल के साथ, वर्ष 2000-01 से 2007-08 के दौरान औसत में, कुल सेवा निर्यात में उनका प्रतिशत लगभग 44 प्रतिशत था। सॉफ्टवेयर के अलावा कारोबारी सेवाएं भी काफी अधिक बढ़ी हैं जिससे भारत निवेश हेतु वरीयता प्राप्त देश के रूप में उभरता परलक्षित हुआ एवं साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था का दुनिया भर के साथ और बेहतर एकीकरण एवं मजबूत समष्टि आर्थिक मूलतत्व स्थापित हुए।

अदृश्य मदों के भीतर अंतरण प्राप्तियां सकल घरेलू उत्पाद का 3 प्रतिशत रही हैं जिससे बेहतर निवेश अवसरों को देखते हुए उच्च स्थानीय आहरण एवं परिवार के रखरखाव के लिए आवक धन प्रेषणों में सीधी वृद्धि परिलक्षित हुई है। वर्ष 2007-08 में 43.5 बिलियन अमरीकी डॉलर के निजी अंतरणों के साथ, भारत ने धन प्रेषण प्राप्त करने वाले अग्रणी देशों में अपना स्थान बरकरार रखा है एवं साथ ही ऐसे अंतर्वाहों में सापेक्षिक स्थिरता दिखी है। वर्ष 1990 के दशक से धन प्रेषणों में सतत वृद्धि को संरचनात्मक सुधारों, जिसमें बाजार आधारित विनिमय दर, खालू खाते की परिवर्तनीयता और मजदूरों के प्रवासन स्वरूप में बड़े पैमाने पर उच्च कुशलता प्राप्त मजदूरों की श्रेणी में परिवर्तन शामिल है, से सहारा मिला। वर्ष 2003-04 से आय खाते के अंतर्गत प्राप्तियां भी व्यापक रूप से बढ़ी हैं जिससे विदेशी मुद्रा आस्तियों के नियोजन पर काफी अधिक उच्च प्राप्तियां परिलक्षित हुई हैं। एफडीआइ कंपनियों द्वारा देश के बाहर किए गए निवेश की पुनःनिवेशित प्राप्तियों ने भी उच्च निवेश आय में आंशिक रूप से योगदान दिया है (चार्ट 3)।

अदृश्य प्राप्तियों में वृद्धि के अनुरूप, हाल के वर्षों में अदृश्य भुगतान भी प्रमुख रूप से सेवा संबंधी भुगतान जो 2000-01 में जीडीपी के 3.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2007-08 में जीडीपी के 4.5 प्रतिशत हो गए के कारण बढ़े हैं। सेवा भुगतान कारोबार, परिवहन एवं यात्रा के अंतर्गत भुगतानों से चालित थे, जो बढ़ी हुई कारोबारी गतिविधियों एवं आयातों में हुई सुदृढ़ वृद्धि को दर्शाता है। दूसरी ओर आय खातों के अंतर्गत भुगतान व्यापक रूप से स्थिर रहे हैं तथा वे इस अवधि के दौरान जीडीपी के 1.4 - 1.8 प्रतिशत की संकुचित सीमा में रहे। इस तरह से उच्चतर प्राप्तियों के साथ न्यूनतर भुगतानों के

चार्ट 3: भारत की अदृश्य मदों संबंधी प्राप्तियां: प्रमुख घटक

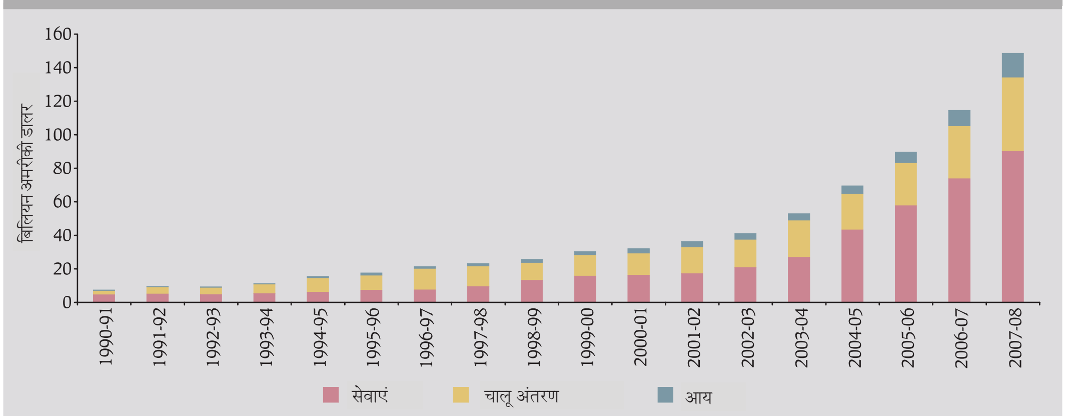

परिणामस्वरूप निवल अदृश्य मदों में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2000-01 में जीडीपी के 2.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2007-08 में जीडीपी का 6.3 प्रतिशत हो गई है।

नवीनतम गतिविधियां

वित्तीय संकट के चलते उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में आई मंदी के कुछ आरंभिक संकेतों के बावजूद पिछले कुल वर्षों में अदृश्य प्राप्तियों एवं भुगतानों में देखी गई प्रवृत्ति अप्रैल-सितंबर 2008 के दौरान भी जारी रही (सारणी 5)। सॉफ्टवेयर कारोबार सेवा एवं निवेश आय की वृद्धि में कुछ मंदी के बावजूद, प्राप्तियों में वृद्धि 29.8 प्रतिशत (अप्रैल-सितम्बर 2007 के दौरान 28.3 प्रतिशत) पर उच्चतर थी। तथापि, कारोबार एवं व्यावसायिक सेवा भुगतान में आयी मंदी के कारण अप्रैल-सितंबर 2008 में अदृश्य मद भुगतान की वृद्धि में आयी गिरावट की मजबूत होती प्रवृत्ति के फलस्वरूप निवल अदृश्य मदों में 45.3 प्रतिशत की उच्च वृद्धि (अप्रैल-सितंबर 2007 के दौरान 41.6 प्रतिशत वृद्धि) हुई। अप्रैल-सितंबर 2008 के दौरान अदृश्य खाते की बेहतर स्थिति के बावजूद वैश्विक वित्तीय एवं आर्थिक संकट का आगामी तिमाहियों में अदृश्य प्राप्तियों एवं भुगतानों दोनों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।

अदृश्य प्राप्तियों एवं भुगतानों का एक विस्तृत घटकवार विश्लेषण विशेष रूप से विभिन्न देशों के परिप्रेक्ष्य में भारत के अदृश्य खातों के डाइनेमिक्स की बेहतर समझ के लिए नीचे दिया जा रहा है।

सारणी 5: अदृश्य मदों संबंधी सकल प्राप्तियां एवं भुगतान: अद्यतन प्रवृत्तियां

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	अदृश्य मद संबंधी प्राप्तियां				अदृश्य मद संबंधी भुगतान			
	2006-07	2007-08	2007-08	2008-09	2006-07	2007-08	2007-08	2008-09
	अप्रैल-मार्च (सं)	अप्रैल-मार्च (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (आ. सं.)	अप्रैल-सितं. (प्रा.)	अप्रैल-मार्च (सं)	अप्रैल-मार्च (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (आ. सं.)	अप्रैल-सितं. (प्रा.)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
क. सेवाएं	73,780	90,077	39,477	47,946	44,311	52,512	21,505	25,070
1. यात्रा	9,123	11,349	4,336	5,290	6,684	9,254	3,953	4,833
2. परिवहन	7,974	10,014	4,044	5,571	8,068	11,514	5,085	7,072
3. बीमा	1,195	1,639	714	720	642	1,044	469	534
4. सरकार अन्यत्र शामिल नहीं	253	330	162	211	403	376	238	205
5. विविध	55,235	66,745	30,221	36,154	28,514	30,324	11,760	12,426
जिसमें: सॉफ्टवेयर	*31,300*	*40,300*	*17,886*	*21,876*	*2,267*	*3,058*	*1,480*	*1,781*
ख. अंतरण	31,470	44,259	18,336	27,246	1,391	2,315	840	1,503
ग. आय	9,308	14,268	6,080	7,718	16,639	19,185	9,298	9,488
1. निवेश आय	8,926	13,808	5,887	7,273	15,688	18,089	8,802	8,841
2. कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	382	460	193	445	951	1,096	496	647
कुल (क+ख+ग)	**114,558**	**148,604**	**63,893**	**82,910**	**62,341**	**74,012**	**31,643**	**36,061**

सं.सशोधित आ.सं.: आंशिक रूप से संशोधित प्रा.: प्रारंभिक

III. अदृश्य मदों का संघटन

अदृश्य मद प्राप्तियों में मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर सेवाओं, कारोबार सेवाओं एवं निजी अंतरणों की प्रधानता रहती है। अदृश्य मद भुगतान में बाह्य ऋण संबंधी ब्याज भुगतान विदेशी निवेश पर दिए गए लाभांश/लाभ तथा प्रौद्योगिकी एवं कारोबार संबंधी सेवाओं, जिनकी मांग बढ़ रही है, से संबंधित भुगतान शामिल हैं। जबकि प्राप्तियां एवं भुगतान दोनों ही यात्रा, परिवहन, कारोबार सेवाओं एवं निवेश आय खातों के मामलों में अधिक रहे हैं, वहीं सॉफ्टवेयर सेवाओं एवं निजी अंतरणों के मामलों में भारत में ये प्रवाह एक-दिशीय रहे हैं। सेवाओं में व्यापार, निजी अंतरण एवं आय के विवरण नीचे दिए गए हैं।

III.1. सेवाओं में व्यापार

सेवाओं में परिवहन, यात्रा एवं अन्य वाणिज्यिक सेवाओं के तहत वर्गीकृत वाणिज्यिक सेवाएं एवं सरकारी सेवाएं, जो और कहीं शामिल नहीं की गई हैं (जीएनआइई) शामिल हैं। अन्य वाणिज्यिक सेवाएं संचार, निर्माण, बीमा, रॉयल्टी, लाइसेंस शुल्क, अन्य कारोबार सेवाओं, व्यक्तिगत, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन सेवाओं तथा कम्प्यूटर एवं सूचना सेवाओं से मिलकर बनी हैं।

भारत से सेवा निर्यात सेवाओं की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता, वर्ष 2003-04 से संरचनात्मक परिवर्तन, रही है, जो सेवा निर्यात के नए आयामों के उभरने द्वारा प्रेरित हैं, जिसका श्रेय अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं निवेश में तेजी से हुए विस्तार को दिया जा सकता है जिसे बढ़े हुए उदारीकरण एवं प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने सुकर बनाया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) द्वारा प्रकाशित अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, विश्व सेवा निर्यात में भारत का हिस्सा वर्ष 2003 एवं 2007 के बीच लगभग दुगुना होकर 2.6 प्रतिशत हो गया है (सारणी 6)।

सारणी 6: भारत के सेवा निर्यात का व्यापार

वर्ष	निर्यात (बिलियन अमरीकी डालर)	विश्व में हिस्सा निर्यात (%)
1	2	3
2001	17.3	1.1
2002	19.5	1.2
2003	23.9	1.3
2004	38.3	1.7
2005	55.8	2.2
2006	75.4	2.6
2007	87.0	2.6

स्रोत: भुगतान संतुलन सांख्यिकी वर्ष बुक 2008,आइएमफ

तुलनात्मक लाभ एवं भारत के सेवा निर्यात में सतत उछाल की दृष्टि से सकारात्मक विकास को परिलक्षित करते हुए, वर्ष 2007 के दौरान विश्व सेवा निर्यात में अपनी बाजार भागीदारी के संबंध में भारत 11वें स्थान पर था (सारणी 7)।

अलग-अलग स्तर पर, सेवाओं के व्यापार में प्रमुख रूप से सॉफ्टवेयर सेवाओं और गैर-सॉफ्टवेयर विविध सेवाओं, जिसमें कारोबारी एवं व्यावसायिक सेवाएं शामिल हैं, की प्रधानता थी (सारणी 8)। सॉफ्टवेयर सेवाओं में

सारणी 7: शीर्ष सेवा निर्यातकों में भारत की तुलनात्मक स्थिति - 2007

क्रम सं.	देश	राशि (बिलियन अमरीकी डालर)	अंश (%)
1	2	3	4
1.	अमरीका	493.2	14.6
2.	ब्रिटेन	278.7	8.2
3.	जर्मनी	215.0	6.3
4.	फ्रांस	145.7	4.3
5.	स्पेन	129.3	3.8
6.	जापान	129.1	3.8
7.	चीन	122.2	3.6
8.	इटली	112.0	3.3
9.	नीदरलैण्ड	90.6	2.7
10.	आयरलैण्ड	89.0	2.6
11.	**भारत**	**87.0**	**2.6**
12.	हांगकांग	83.6	2.5
13.	बेल्जियम	79.1	2.3

स्रोत: भुगतान संतुलन सांख्यिकी वर्ष बुक 2008, आइएमएफ।

सारणी 8: भारत के सेवा निर्यात की संरचना

(प्रतिशत)

वर्ष	यात्रा	परिवहन	बीमा	जीएनआइई	साफ्टवेयर सेवाएं	गैर साफ्टवेयर विविध सेवाएं*	कुल सेवाएं
1	2	3	4	5	6	7	8
1990-91	32.0	21.6	2.4	0.3	–	43.6	100.0
1995-96	36.9	27.4	2.4	0.2	–	33.1	100.0
2000-01	21.5	12.6	1.7	4.0	39.0	21.3	100.0
2001-02	18.3	12.6	1.7	3.0	44.1	20.3	100.0
2002-03	16.0	12.2	1.8	1.4	46.2	22.4	100.0
2003-04	18.7	11.9	1.6	0.9	47.6	19.2	100.0
2004-05	15.4	10.8	2.0	0.9	40.9	29.9	100.0
2005-06	13.6	11.0	1.8	0.5	40.9	32.1	100.0
2006-07 (सं)	12.4	10.8	1.6	0.3	42.4	32.4	100.0
2007-08 (आं.सं.)	12.6	11.1	1.8	0.4	44.7	29.4	100.0

जीएनआइई: सरकार अन्यत्र शामिल नहीं।
* : कारोबार और पेशेवर सेवाएं शामिल हैं।
सं : संशोधित आं.सं. : आंशिक रूप से संशोधित

उछाल जारी रहा तथा कुल सेवा निर्यात में इसका हिस्सा वर्ष 2006-07 के 42.4 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2007-08 में 44.7 प्रतिशत हो गया। सेवा निर्यात के भीतर व्यापार सेवाओं की बढ़ती हुई महत्ता भारतीय कार्यबल की उच्च कुशलता को परिलक्षित करती है। वर्ष 2006-07 तक सामान्य रूप से गिरने के पश्चात कुल सेवा निर्यात में यात्रा एवं परिवहन के हिस्से में वर्ष 2007-08 में आंशिक प्रगति हुई। हाल ही के वर्षों में भारत में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की रुचि पुनः बढ़ी है।

III.1.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं

वर्ष 2006-07 के दौरान 31.3 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2007-08 में सॉफ्टवेयर एवं सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं का निर्यात बढ़कर 40.3 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया (सारणी 9)। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी - बीपीओ उद्योग अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान करता है एवं निर्यात आय, निवेश, रोजगार तथा समग्र आर्थिक एवं सामाजिक विकास पर इसका प्रवर्धक प्रभाव पड़ता है। प्रतिस्पर्धात्मक दबाव बढ़ने के बावजूद भारत अपने कम लागत वाले परिचालनों, उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों एवं सेवाओं तथा आसानी से उपलब्ध कुशल जनबल के कारण एक आकर्षक स्रोत बना हुआ है। इसके अतिरिक्त, उत्तरी अमरीका एवं यूरोप के साथ समय में अनुकूल अंतर के कारण भारतीय कंपनियां चौबीसों घंटे अंतरराष्ट्रीय परिचालन एवं ग्राहक सेवा का लक्ष्य प्राप्त कर सकती हैं। नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एण्ड सर्विस कंपनीज़ (नासकॉम) के अनुसार, जबकि अमरीका (61 प्रतिशत) एवं यूके (18 प्रतिशत) 2006-07 के लिए आइटी-बीपीओ निर्यात के लिए सबसे बड़े बाजार बने रहे, यह उद्योग अन्य क्षेत्रों में तेजी से फैल रहा है - विशेष रूप से वर्ष 2003-04 से 2006-07 के दौरान कॅटीनेन्टल यूरोप मे निर्यात में 55 प्रतिशत से अधिक की चक्र वृद्धि वार्षिक दर से वृद्धि हुई। वर्तमान में भारतीय आइटी उद्योग के 52 देशों में 400 से अधिक सुपुर्दगी केंद्र हैं। उत्पादकता, बेंचमार्किंग एवं उन्नत परिचालनात्मक दक्षता पर सुदृढ़ फोकस के साथ भौगोलिक विभागीकरण की यह रणनीति विश्व में सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में अग्रणी

बनने के लिए अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को आगे ले जाने में इस उद्योग की मदद करेगी ।

इसके अलावा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए, भारतीय कंपनियां आइटी परामर्शन, एवं प्रणाली एकीकरण, हार्डवेयर समर्थन एवं संस्थापन तथा प्रोसेसिंग सेवाओं की अदोहित संभावनाओं की खोज करके मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने लगी हैं। नासकॉम के अनुसार, उद्योग का ऊर्ध्वाधर बाजार एक्सपोजर विभिन्न परिपक्व एवं उदीयमान क्षेत्रों के बीच अच्छी तरह से विशाखीकृत था। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा (बीएफएसआइ) भारतीय आइटी.-बीपीओ निर्यातों के लिए सबसे बड़े उर्ध्वगामी बाजार बने रहे एवं उसके बाद उच्च प्रौद्योगिकी एवं दूर संचार का स्थान था तथा दोनों ने मिलकर वर्ष 2006-07 मेंभारतीय आइटीबीपीओ निर्यात में लगभग 60 प्रतिशत का योगदान दिया। सुरक्षा चिन्ताओं की भी विधिवत पहचान की गई है ताकि ग्राहक विश्वास बरकरार रखा जा सके। ग्राहक की दृष्टि से, समेकन, एकीकरण एवं विनियमन पर बल दिया जा रहा है - जिनमें से सभी से यह अपेक्षा है कि वे भारतीय आइटी उद्योग के लिए नवीनतर कारोबारी अवसर उपलब्ध कराएंगे।

आइटी सेवाओं, बीपीओ, उत्पाद विकास एवं इंजीनियरिंग सेवाओं के सभी खंड़ों में हुई व्यापक वृद्धि ने प्रौद्योगिकी संबंधी व्यापक सेवाओं के लिए प्रमुख सोर्सिंग स्थल के रूप में भारत के नेतृत्व को पुनः बल प्रदान किया है। तदनुसार, वर्ष 2005 से भारत को अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कम्प्यूटर एवं सूचना सेवाओं के निर्यात में प्रथम श्रेणी पर रखा जाता रहा (सारणी 10)। डब्ल्यूटीओ के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2006 में विश्व में कम्प्यूटर एवं सूचना सेवाओं के निर्यात में भारत का हिस्सा लगभग 17 प्रतिशत था। नासकॉम के अनुसार वैश्विक आर्थिक संकट के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए भारत का सॉफ्टवेयर निर्यात 16-17 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है जिससे वह 2008-09 के दौरान 47 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच जाएगा। एक अनिश्चित आर्थिक वातावरण के बावजूद, नासकॉम के अनुसार, भारतीय आइटी-बीपीओ उद्योग के अगले दो वर्षों के दौरान विकास करने की आशा है एवं भारत का सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात 2010-11 तक 60-62 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है।

सारणी 9: भारत की सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात

(मिलियन अमरीकी डालर)

वर्ष	आइटी सेवा निर्यात	आइटीईएस-बीपीओ निर्यात	कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात
1	2	3	4
1995-96	754	–	754
1999-00	3,397	565	3,962
2000-01	5,411	930	6,341
2001-02	6,061	1,495	7,556
2002-03	7,100	2,500	9,600
2003-04	9,200	3,600	12,800
2004-05	13,100	4,600	17,700
2005-06	17,300	6,300	23,600
2006-07	22,900	8,400	31,300
2007-08	29,400	10,900	40,300

आईटीईएस: आइटी समर्थित सेवाएं बीपीओ: बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग

स्रोत: नेशनल एसोसिएशन ऑफ साफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनी (नॉस्काम)।

सारणी 10: कंप्यूटर एवं सूचना सेवाओं का निर्यात

(बिलियन अमरीकी डालर)

क्रम सं.*	देश	2000	2004	2005	2006	2007
1	2	3	4	5	6	7
1.	**भारत**	**6.3**	**16.3**	**22.0**	**29.2**	**37.0**
2.	आयरलैण्ड	7.5	18.8	19.6	21.0	26.1
3.	ब्रिटेन	4.3	11.7	11.2	13.0	14.1
4.	अमरीका	5.6	6.7	7.3	10.3	12.7
5.	जर्मनी	3.8	8.1	8.4	9.7	12.2
6.	स्वीडन	1.2	2.5	2.7	3.6	6.5
7.	इजराइल	4.2	4.4	4.5	5.3	5.8
8.	स्पेन	2.0	3.0	3.6	4.0	5.3
9.	कनाडा	2.4	3.0	3.6	4.3	4.4
10.	चीन	0.4	1.6	1.8	3.0	4.3

*: वर्ष 2007 के लिए रैंकिंग ।

स्रोत: भुगतान संतुलन सांख्यिकी वर्ष बुक 2008, आइएमएफ और भारतीय रिज़र्व बैंक।

III.1.2 कारोबारी एवं व्यावसायिक सेवाएं

विकसित देशों एवं कुछ विकासशील देशों जैसे ब्राजील और भारत में कारोबारी, व्यावसायिक एवं तकनीकी सेवाएं सबसे ज्यादा प्रचलित सेवाएं हैं। ये सेवाएं कानूनी से प्रबन्धन सेवाओं एवं वास्तुकला से विज्ञापन सेवाओं तक व्याप्त हैं। 2007-08 में भारत की गैर सॉफ्टवेयर विविध सेवाएं कुल सेवा निर्यात का लगभग 30 प्रतिशत थीं, जिससे अदृश्य मद प्राप्तियों की स्थिर वृद्धि में मदद मिली। गैर सॉफ्टवेयर विविध सेवा निर्यात के भीतर कारोबार एवं व्यावसायिक सेवा का हिस्सा हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है एवं वर्ष 2007-08 में यह लगभग 63 प्रतिशत था (सारणी 11)। कारोबारी सेवा भुगतान में भी

सारणी 11: गैर-सॉफ्टवेयर विविध प्राप्तियों और भुगतानों के मदवार आँकड़े

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	प्राप्ति				भुगतान			
	2006-07	2007-08	2007-08	2008-09	2006-07	2007-08	2007-08	2008-09
	अप्रैल-मार्च (सं)	अप्रैल-मार्च (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (प्रा.)	अप्रैल-मार्च (सं)	अप्रैल-मार्च (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (प्रा.)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. संचार	2,262	2,408	1,126	1,250	796	859	411	522
2. निर्माण	700	763	256	371	737	758	328	344
3. वित्तीय सेवाएं	3,106	3,217	1,444	1,763	2,991	3,138	1,151	1,593
4. समाचार एजेंसी	334	503	306	397	226	326	211	165
5. रॉयल्टी, कॉपीराइट और लाइसेंस शुल्क	97	157	69	70	1,030	1,088	459	804
6. कारोबारी सेवाएं	14,544	16,771	7,652	8,702	15,866	16,715	6,700	6,629
7. वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवाएं	243	562	196	297	117	199	88	158
8. अन्य	2,649	2,064	1,286	1,428	4,484	4,183	932	430
कुल **(1 से 8)**	**23,935**	**26,445**	**12,335**	**14,278**	**26,247**	**27,266**	**10,280**	**10,645**

सं:संशोधित आ.सं.:आंशिक रूप से संशोधित प्रा.: प्रारंभिक

टिप्पणी: कारोबारी सेवाओं (मद 6) के अलग-अलग आँकड़े सारणी 12 में दिए गए हैं।

हाल के वर्षों में तीव्र वृद्धि हुई है, जो सतत आधार पर प्रौद्योगिकीय उन्नयन पर अधिक ध्यान केन्द्रित करते हुए अर्थव्यवस्था में चल रहे प्रौद्योगिकीय रूपांतरण एवं भारतीय उद्योग के आधुनिकीकरण को दर्शाता है।

कारोबारी सेवा के प्रमुख घटक प्रबंधन परामर्श, वास्तुकला इंजीनियरिंग एवं अन्य तकनीकी सेवाएं, दूसरे देशों में कार्यालयों का रखरखाव एवं व्यापार संबंधी सेवाएं हैं (सारणी 12)। इन घटकों के बीच व्यापार संबंधी सेवाओं में लगभग 69 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई एवं दूसरे देशों में कार्यालयों के रखरखाव संबंधी सेवाएं लगभग 8 प्रतिशत बढ़ीं जबकि ज्यादातर अन्य सेवा निर्यात वर्ष 2007-08 के दौरान घटे। कारोबारी सेवाओं के भुगतान में, दूसरे देशों में कार्यालयों के रखरखाव एवं विज्ञापन घटे हैं जबकि अन्य सभी श्रेणियों में सामान्य वृद्धि हुई है। इन्फ्रास्ट्रक्चर की मांग में वृद्धि के साथ तथा आइटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए पसंदीदा क्षेत्र होने के कारण, भारत इंजीनियरिंग सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण देश के रूप में उभर रहा है। इंजीनियरिंग सेवाओं में डिजाइनिंग में परामर्श प्रदान करना एवं विस्तृत डिजाइनिंग सेवाएं शामिल हैं।

III.1.3 यात्रा

यात्रा के अन्तर्गत प्राप्तियाँ विदेशी पर्यटकों द्वारा होटल के व्यय तथा घरेलू यात्रा सहित क्रय की गई वस्तुओं एवं सेवाओं पर व्यय का द्योतक हैं। यात्रा प्राप्तियों में यात्रियों के अत्यधिक आगमन के फलस्वरूप वृद्धि होती रही (सारणी 13)। वर्ष 2003-04 से पर्यटन में आए उछाल के कारण पर्यटन की आय जारी रही, जो कारोबार, स्वास्थ्य एवं अवकाश यात्रा को प्रतिबिम्बित करती है। भुगतान प्रणाली के उदारीकरण, बढ़ते वैश्वीकरण, बढ़ते सेवा निर्यात एवं संबद्ध कारोबार यात्रा तथा विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए वरीयता ने 1990 के दशक से भारत के विदेशी पर्यटन में निरंतर वृद्धि की है। साथ ही, यात्रा भुगतान में भी वृद्धि हुई जो निम्नलिखित के अनुसरण में बढ़ते हुए कारोबार एवं अवकाश यात्रा को परिलक्षित करती है (i) बढ़ता हुआ

सारणी 12: कारोबारी सेवाएं

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	प्राप्तियां				भुगतान			
	2006-07	2007-08	2007-08	2008-09	2006-07	2007-08	2007-08	2008-09
	अप्रैल-मार्च (सं)	अप्रैल-मार्च (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (प्रा.)	अप्रैल-मार्च (सं)	अप्रैल-मार्च (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (आ.सं.)	अप्रैल-सितं. (प्रा.)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. व्यापार संबंधित	1,325	2,233	890	1,154	1,801	2,285	1,004	826
2. कारोबार और प्रबंध परामर्श	4,476	4,433	2,166	2,662	3,486	3,653	1,541	1,084
3. वास्तुशास्त्रीय, अभियांत्रिकी और अन्य तकनीकी	3,457	3,144	1,763	1,071	3,025	3,173	1,160	1,380
4. कार्यालयों का रखरखाव	2,638	2,861	1,239	1,266	4,032	3,496	940	951
5. अन्य	2,648	4,100	1,594	2,549	3,522	4,108	2,055	2,388
कुल (1 से 5)	**14,544**	**16,771**	**7,652**	**8,702**	**15,866**	**16,715**	**6,700**	**6,629**

प्रा. प्रारंभिक   आ.सं. :आंशिक रूप से संशोधित   सं: संशोधित

सारणी 13: भारत में विदेशी पर्यटकों का आगमन

वर्ष	आगमन (मिलियन)
1	2
1991	1.68
1995	2.12
2000	2.65
2001	2.54
2002	2.38
2003	2.73
2004	3.46
2005	3.90
2006	4.45
2007	5.08
2008	5.37 *

*: अनंतिम अनुमान
स्रोत: पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ।

पण्य एवं सेवा व्यापार एवं (ii) उदारीकृत भुगतान युग के माहौल में निवासियों की बढ़ती हुई अवशिष्ट आय। निकट भविष्य में और अधिक अवकाश पर्यटन एवं कारोबारी यात्रा की संभावना में इस खंड में सतत वृद्धि के जारी रहने की ओर इंगित करती है। 2004-05 से 2006-07 के दौरान घटने के पश्चात कुल सेवा निर्यात के प्रतिशत के रूप में यात्रा प्राप्तियाँ एक वर्ष पहले के 12.4 प्रतिशत से आंशिक रूप से बढ़कर 2007-08 में 12.6 प्रतिशत हो गईं। फरवरी 2004 से परिचालित उदारीकृत धन प्रेषण योजना के अन्तर्गत किसी अनुमत चालू अथवा पूँजी खाता लेनदेन के लिए निवासियों को प्रति वित्तीय वर्ष प्रेषण के लिए अनुमत राशि में क्रमिक वृद्धि ने (फरवरी 2004 में प्रति कैलेण्डर वर्ष 25,000 अमरीकी डॉलर से 2,00,000 अमरीकी डॉलर तक जो 26 सितम्बर 2007 से प्रभावी है) एवं साथ ही, 2007-08 के दौरान प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले देशी मुद्रा में सामान्य वृद्धि ने बाह्य पर्यटन को आकर्षक बना दिया। यह 'अन्य' श्रेणी के अन्तर्गत जिसमें शिक्षा, पर्यटन एवं यात्रा शामिल है में, जावक धन प्रेषण की तीव्र वृद्धि में परिलक्षित हुआ जो वर्ष 2006-07 के 16.4 मिलियन अमरीकी डॉलर से तेजी से बढ़कर वर्ष 2007-08 में 160.4 मिलियन अमरीकी डॉलर हो जाने में परिलक्षित हुआ। इसके बावजूद, वर्ष 2007-08 के दौरान यात्रा खाते में अतिरेक 2.1 बिलियन अमरीकी डॉलर था (वर्ष 2006-07 में 2.4 बिलियन अमरीकी डॉलर)।

हाल के वर्षों में दुनिया में पर्यटकों से होने वाली आय में भारत की स्थिति महत्वपूर्व रूप से सुधारी है। विश्व में यात्रा से होने वाली आय में भारत का हिस्सा वर्ष 2006 के 1.2 प्रतिशत के मुकाबले वर्ष 2007 में थोड़ा सुधरकर 1.3 प्रतिशत हो गया। तदनुसार, विश्व पर्यटन से होने वाली आय में 1990 के 23वें स्थान के मुकाबले वर्ष 2007 में भारत 18वें स्थान पर रहा (सारणी 14)।

सारणी 14: शीर्ष यात्रा आय देशों के बीच भारत की तुलनात्मक स्थिति, 2007

क्रम सं.	देश	बिलियन अमरीकी डालर	विश्व यात्रा आय में अंश (%)
1	2	3	4
1.	अमरीका	119.2	14.0
2.	स्पेन	57.9	6.8
3.	फ्रांस	54.2	6.4
4.	इटली	42.7	5.0
5.	ब्रिटेन	37.7	4.4
6.	चीन	37.2	4.4
7.	जर्मनी	36.1	4.2
8.	ऑस्ट्रेलिया	22.3	2.6
9.	आस्ट्रिया	18.8	2.2
10.	टर्की	18.5	2.2
11.	थाइलैण्ड	16.7	2.0
12.	कनाडा	15.6	1.8
13.	नीदरलैण्ड	13.4	1.6
14.	मलेशिया	12.9	1.5
15.	मैक्सिको	12.9	1.5
16.	स्विटजरलैंड	12.2	1.4
17.	स्वीड़न	12.0	1.4
18.	**भारत**	**10.7**	**1.3**
19.	पोलैण्ड	10.6	1.2
20.	पुर्तगाल	10.2	1.2
21.	रूस	9.6	1.1
22.	जापान	9.3	1.1
23.	मिश्र	9.3	1.1
24.	कोरिया	9.2	1.1
25.	सिंगापुर	8.7	1.0

स्रोत: भुगतान संतुलन सांख्यिकी वर्ष बुक 2008, आइएमएफ।

III.1.4 परिवहन

पिछले कुछ वर्षों में बढ़ते हुए पण्य व्यापार को देखते हुए, परिवहन से होने वाली प्राप्तियां एवं भुगतान, जिनमें प्रमुख रूप से वस्तुओं एवं लोगों को लाना ले जाना एवं साथ ही अन्य वितरण वाली सेवाएं (जैसे कि पत्तन प्रभार, बंकर ईंधन, स्टेवडरिंग, कबोटेज, वेयरहाउसिंग) शामिल है, भी पिछले वर्षों के दौरान बढ़े हैं। परिवहन के अन्तर्गत प्राप्तियाँ वर्ष 2006-07 के 8.0 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2007-08 के दौरान 10.0 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गयीं, जबकि इसी अवधि के दौरान 8.1 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में 11.5 बिलियन अमरीकी डॉलर पर भुगतान अधिक थीं। इस स्तर पर, वर्ष 2007-08 के दौरान कुल सेवा निर्यात में परिवहन प्राप्तियों का प्रतिशत 11.1 था, जबकि पिछले वर्ष इसका प्रतिशत 10.8 था। ईंधन के मूल्यों में तेजी से हुई वृद्धि, उच्च ढुलाई प्रभार एवं साथ ही साथ कुछ प्रमुख नौवहन मार्गों की मांग पूरी कर पाने की अक्षमता का परिवहन लागत पर महत्वपूर्ण प्रभाव जारी रहा।

III.1.5 बीमा

बीमा निर्यात / आयात पर बीमा, जीवन बीमा एवं गैर जीवन बीमा पॉलिसियों पर प्रीमियम, एवं विदेशी बीमा कंपनियों से पुनः बीमा करने के प्रीमियम से मिलकर बनता है। बीमा प्राप्तियाँ एवं भुगतान सामान्यतः भारत के पण्य व्यापार आन्दोलन से जुड़े होते हैं। कुल सेवा प्राप्तियों में बीमा प्राप्तियों का हिस्सा 1990 के दशक की शुरुआत से कुल सेवा निर्यातों का लगभग 2 प्रतिशत बना रहा।

III.1.6 सेवाओं में 'अन्य' घटक

सॉफ्टवेयर सेवाओं, कारोबार सेवाओं, यात्रा, परिवहन एवं बीमा के अतिरिक्त सेवाओं में व्यापार के अन्तर्गत अन्य घटक में कई अन्य वाणिज्यिक सेवाएं जैसे वित्तीय, संचार, निर्माण एवं वैयक्तिक, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन सेवाएं शामिल हैं। तथापि, वित्तीय एवं संचार सेवाएं दो प्रमुख घटक हैं (सारणी 11 देखें)। वित्तीय सेवाओं के अन्तर्गत हाल के वर्षों में प्राप्तियों एवं भुगतानों दोनों में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है जो देशी कंपनियों द्वारा विदेशों में ज्यादा विलय एवं अधिग्रहण की गतिविधियों एवं साथ ही साथ भारतीय कंपनियों एवं बैंकों की अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों में बढ़ती पहुँच को दर्शाता है। वित्तीय सेवाओं में बैंकों स्टॉक एक्सचेंजों, आढ़तिया उद्यमों, क्रेडिट कार्ड उद्यमों एवं अन्य उद्यमों द्वारा उपलब्ध कराई गई वित्तीय मध्यस्थता एवं सहयोगी सेवाएँ शामिल हैं। वर्ष 2007-08 में वित्तीय सेवा निर्यात एवं आयात दोनों लगभग 3.2 बिलियन अमरीकी डॉलर के आस-पास थे। भारत 2006 में वित्तीय सेवा निर्यात में 8वें स्थान पर एवं वित्तीय सेवाओं के आयातक के रूप में 7वें स्थान पर रहा (सारणी 15)।

संचार सेवा निर्यात में भी हाल के वर्षों में काफी वृद्धि हुई है, जो देशी अर्थव्यवस्था के प्रौद्योगिकीय रूपांतरण एवं साथ ही दूर संचार क्षेत्र के महत्वपूर्ण उदारीकरण को परिलक्षित करता है। वर्ष 2006 में भारत विश्व के सर्वोच्च 15 दूरसंचार निर्यातकों में चौथे स्थान पर था (सारणी 16)।

III.2 अन्तरण

अन्तरण में आधिकारिक अन्तरण एवं निजी अन्तरण शामिल हैं। निजी अन्तरण, प्रमुख रूप से कामगारों के धन प्रेषण के कारण हाल के वर्षों में अधिक बने रहे जो देशी धन-प्रेषण इंफ्रास्ट्रकचर में सतत प्रगति

सारणी 15: शीर्ष वित्तीय सेवा प्रदाताओं के बीच भारत की तुलनात्मक स्थिति 2006

श्रेणी	निर्यातक	मूल्य (मिलियन अमरीकी डालर)	15 अर्थव्यवस्थाओं में हिस्सा	श्रेणी	निर्यातक	मूल्य (मिलियन अमरीकी डालर)	15 अर्थव्यवस्थाओं में हिस्सा
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	यूरोपीय यूनियन (27)	120,752	58.6	1.	यूरोपीय यूनियन (27)	56,766	64.1
2.	संयुक्त राज्य	42,814	20.8	2.	संयुक्त राज्य	14,297	16.2
3.	स्विटजरलैंड	11,696	5.7	3.	जापान	2,986	3.4
4.	हांगकांग	9,268	4.5	4.	कनाडा	2,864	3.2
5.	जापान	6,151	3.0	5.	हांगकांग	2,017	2.3
6.	सिंगापुर	4,064	2.0	6.	ताइपेह	1,390	1.6
7.	कोरिया	2,543	1.2	7.	**भारत**	**1,316**	**1.5**
8.	**भारत**	**2,071**	**1.0**	8.	स्विटजरलैंड	1,281	1.4
9.	कनाडा	1,897	0.9	9.	सिंगापुर	972	1.1
10.	ताइपेह	1,232	0.6	10.	रूस	904	1.0
11.	नार्वे	820	0.4	11.	चीन	891	1.0
12.	आस्ट्रिया	756	0.4	12.	नार्वे	879	1.0
13.	ब्राजील	738	0.4	13.	ब्राजील	861	1.0
14.	दक्षिण अफ्रीका	706	0.3	14.	कोरिया	547	0.6
15.	रूस	589	0.3	15.	टर्की	524	0.6
	उपर्युक्त 15	**206,095**	**100.0**		**उपर्युक्त 15**	**88,495**	**100.0**

स्रोत: अंतरराष्ट्रीय व्यापार सांख्यिकीय 2008 डब्ल्यूटीओ

के मध्य सुदृढ़ वैश्विक उत्पादन वृद्धि के चलते हुए। निजी अन्तरणों के विवरण नीचे दिए गए हैं।

सारणी 16: शीर्ष दूरसंचार निर्यातकों के बीच भारत की तुलनात्मक स्थिति, 2006

देश/क्षेत्र	मूल्य (मिलियन अमरीकी डालर)	15 अर्थव्यवस्थाओं में हिस्सा
1	2	3
1. यूरोपीय यूनियन (27)	30,161	65.5
2. संयुक्त राज्य	6,257	13.6
3. कुवैत	3,398	7.4
4. **भारत**	**1,096**	**2.4**
5. रूस	739	1.6
6. मलेशिया	641	1.4
7. फिलीपीन्स	572	1.2
8. हांगकांग	566	1.2
9. मैक्सिको	466	1.0
10. कोरिया	423	0.9
11. टर्की	416	0.9
12. मोरक्को	387	0.8
13. क्रोशिया	325	0.7
14. नार्वे	320	0.7
15. लेबनान	305	0.7
उपर्युक्त 15	**46,070**	**100.0**

स्रोत: अंतरराष्ट्रीय व्यापार सांख्यिकी 2008, डब्ल्यूटीओ

III.2.1 निजी अन्तरण : परिवार के रखरखाव के लिए धनप्रेषण एवं एनआरआइ जमाओं से स्थानीय आहरण

समुद्रपारीय भारतीयों के अन्तर्वाह प्रमुख रूप से निम्नलिखित रूपों में होते हैं : (i) परिवार के रखरखाव के लिए आवक धन-प्रेषण एवं (ii) भारत में बैंकों में अनिवासी भारतीय (एनआरआइ) जमा स्कीमों में जमा। तथापि, समुद्रपारीय भारतीयों के धन- प्रेषणों में परिवार के रखरखाव के लिए अन्तर्वाह एवं एनआरआइ रुपया जमा खातों (एनआर(ई)आरए) एवं एनआरओ जमा स्कीमों से देशी तौर पर निकाली गई निधियां शामिल हैं। समुद्रपारीय भारतीयों द्वारा किए गए ऐसे धन-प्रेषणों को निजी अन्तरण माना जाता है जिन्हें भुगतान शेष के चालू खाते में शामिल किया जाता है। इसके विपरीत, एनआरआइ जमा स्कीमों में जमा करने के लिए समुद्रपारीय भारतीयों के अन्तर्वाहों को पूँजी खाता लेन-देन के रूप में माना जाता है।

आइएमएफ के भुगतान संतुलन मैन्युअल के 5वें संस्करण (1993) के अनुसार 'अन्तरण' एकतरफा लेन-देन को परिलक्षित करता है अर्थात ऐसे लेन-देन जिनमें कोई मुआवज़ा नहीं होता है जैसे कि अनुदान, उपहार, एवं परिवार के रखरखाव के लिए धन प्रेषण के रूप में प्रवासी अन्तरण, बचतों के देश प्रत्यावर्तन एवं प्रवासियों की निवासी स्थिति को बदलने से संबंधित वित्तीय एवं वास्तविक संसाधनों के अन्तरण।

III 2.1.1 निजी अन्तरणों की प्रवृत्तियाँ (कामगारों के धन-प्रेषण)

हाल के वर्षों में कामगारों के धन-प्रेषण उछाल पर रहे हैं जो घरेलू एवं वैश्विक दोनों ही स्तरों पर समष्टि आर्थिक परिणामों के अनुकूल प्रभाव को दर्शाते हैं। 1980 के दशक के दौरान मध्य पूर्व में तेल में उत्पादन में आयी वृद्धि एवं 1990 के दशक में हुई सूचना प्रौद्योगिकी की क्रान्ति के फलस्वरूप भारत में कामगारों के धन प्रेषणों में हुई वृद्धि ने भारत को दुनिया में सबसे अधिक धन प्रेषण प्राप्त करने वाला देश बना दिया है। मध्य पूर्व से अर्द्ध-कुशल / अकुशल मजदूरों की मांग 1970 के दशक के मध्य में आरम्भ हुई थी एवं यह 1980 के दशक के आरंभ में अपने चरम पर पहुँच गई, जिसके पश्चात 1990 के दशक के मध्य से इसकी दूसरी लहर आरम्भ हुई, जिसकी अगुआई सूचना प्रौद्योगिकी क्रान्ति ने की। इस तरह से प्रवासी कामगारों की प्रवृत्ति का झुकाव अकुशल/अर्ध कुशल से उच्च कुशलता वाले कामगारों की श्रेणी की ओर हो गया, जो ज्यादातर अमरीका एवं यूरोप की ओर था। समुद्रपारीय भारतीयों की ओर से धन प्रेषण अन्तर्वाह 2006-07 के 30.8 बिलियन अमरीकी डॉलर के मुकाबले वर्ष 2007-08 में बढ़कर 43.5 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया (सारणी 17)। चालू प्राप्तियों में निजी अन्तरणों का हिस्सा वर्ष 2006-07 के 12.7 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 13.8 प्रतिशत हो गया।

सारणी 17: भारत को निजी अंतरणों के चुनिंदा संकेतक

वर्ष	राशि (बिलियन अम.डा.)	चालू प्राप्तियों में हिस्सा (प्रतिशत)	निजी अंतरण (जीडीपी की तुलना में प्रतिशत)
1	2	3	4
1990-91	2.1	8.0	0.7
1995-96	8.5	17.1	2.4
1999-00	12.3	18.3	2.7
2000-01	13.1	16.8	2.8
2001-02	15.8	19.4	3.3
2002-03	17.2	18.0	3.4
2003-04	22.2	18.5	3.7
2004-05	21.1	13.6	3.0
2005-06	25.0	12.8	3.1
2006-07 (सं)	30.8	12.7	3.4
2007-08 (आ.सं.)	43.5	13.8	3.7

सं:संशोधित आ.सं.:आंशिक रूप से संशोधित

वर्ष 1990-2000 से निजी अंतरण भारत के सकल देशी उत्पाद के तीन प्रतिशत के आसपास बने रहे एवं इन्होंने बड़ी मात्रा में भारत के पण्य व्यापार घाटे को प्रतितुलित करने में मदद की। अन्य पूंजीगत खाता मदों जैसे एनआरआइ जमा, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश एवं पोर्टफोलियो निवेश की तुलना में ऐसे अंतरणों की सापेक्ष स्थिरता ने भी 1990 के दशक से चालू खाता घाटों को कम स्तरों पर बरकरार रखने में मदद की है। निजी अंतरणों में सापेक्ष स्थिरता परिवार के रखरखाव के लिए आंतरिक धन प्रेषणों में निरंतर वृद्धि एवं बेहतर देशी निवेश अवसरों के चलते उच्चस्त्तर के स्थानीय आहरणों को परिलक्षित करती है। स्रोतों की ओर से, भारत को आने वाले धन प्रेषणों में महत्वपूर्ण हिस्सा मध्य पूर्व के तेल निर्यातक देशों से आना जारी रहा। भारत की ओर आने वाले धन प्रेषण अंतर्वाहों का एक अन्य महत्वपूर्ण स्रोत अमरीका है। भारत के संदर्भ में, विदेशों में कार्य कर रहे कामगारों द्वारा प्रेषित निधियों का एक बड़ा भाग स्थानीय आहरणों के रूप में अनिवासी जमाओं में अंतर्वाहों के माध्यम से चैनलाइज किया जाता है।

कामगारों के धन प्रेषणों में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। पहला, 1990 के दशक में, आस्ट्रेलिया, कनाडा एवं संयुक्त राज्य अमरीका में लोगों का प्रवास महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा, जो विशेष तौर पर अस्थायी कार्य अनुमति पर सूचना प्रौद्योगिकी कामगारों के संबंध में था। दूसरी, प्रवासियों की संख्या में वृद्धि धन भेजने व निवेश के लिए बेहतर प्रोत्साहन विनियमों एवं नियंत्रणों, ज्यादा लचीली मुद्रा विनिमय दरों एवं पूंजीगत खाते को क्रमिक रूप से खोले जाने के साथ हुई । भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय बैंकों द्वारा उपलब्ध करायी गयी सुविधाजनक अर्थप्रेषण सेवाओं के फलस्वरूप अनौपचारिक हवाला चैनलों के बजाय औपचारिक चैनलों से धन प्रेषण प्रवाह शुरू हुए। तीसरी, अनिवासी भारतीयों ने कई आकर्षक जमा योजनाओं एवं इस क्षेत्र में नीतिगत पहलों के संबंध में रुचि दिखायी है।

तथापि, तेल की कीमतों के काफी रूप से कम होने एवं वैश्विक वित्तीय संकट के चलते यूएस, यूरोप और जापान जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के पहले से ही मंदी के दौर में होने के कारण, वर्तमान परिस्थिति में धन प्रेषणों के संबंध में संभावना अनिश्चित बनी हुई है (बॉक्स I)।

III. 2.1.2 धन प्रेषणों की संरचना

निजी अंतरण, जिनमें परिवार के रखरखाव के लिए धन प्रेषण गैर निवासी रुपया खाते से स्थानीय आहरण, यात्रियों के सामान के माध्यम से लाया गया सोना एवं चांदी एवं धर्मार्थ/धार्मिक संस्थाओं को दिए गए व्यक्तिगत उपहार/दान शामिल हैं, के विवरण नीचे दिए जा रहे हैं।

III. 2.1.2.1 परिवार के रखरखाव के लिए धन प्रेषण

परिवार के रखरखाव के लिए समुद्रपारीय भारतीयों द्वारा भेजे गए धन प्रेषण जिनका हिस्सा भारत को धन-प्रेषण प्रवाह में 1999-2000 में लगभग 60 प्रतिशत था, 2005-06 में घटकर लगभग 42 प्रतिशत रह गया। तथापि, तत्पश्चात इसका हिस्सा बढ़कर 2007-08 में 50.4 प्रतिशत पर पहुंच गया (सारणी 18)।

III. 2.1.2.2 अनिवासी रुपया जमा स्कीमों से स्थानीय आहरण

कामगारों के धन प्रेषणों के रूप में अनिवासी रुपया जमा स्कीमों से स्थानीय आहरण ऐसे आहरण हैं जो अनिवासी अथवा उसके आश्रित द्वारा स्थानीय उपयोग के लिए अनिवासी (बाह्य) रुपया खाते (एनआर(ई)आरए)

बॉक्स 1 : प्रेषणों पर वैश्विक वित्तीय संकट का प्रभाव

वित्तीय संकट का प्रभाव जो अमरीका में शुरू हुआ सभी देशों में, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूप से, देखा जा रहा है। जबकि ऋण की कमी के कारण अमरीका सहित उन्नत देशों में पहले से ही मंदी जारी है, भारत सहित उन्नत देशों पर व्यापार और पूंजी प्रवाह दोनों के माध्यम से प्रभाव पड़ा है। वैश्विक वित्तीय संकट और प्रमुख उन्नत देशों में मंदी के परिणाम स्वरूप, भारत के प्रति कामगारों के प्रेषण और एनआरआइ प्रवाह के बारे में आशंकाएं भी कमजोर पड़ रही है। यह धारणा है कि अमरीका और यूरोप में मंदी से प्रेरित नौकरियों के जाने से प्रवासी कामगारों पर और प्रभाव पड़ सकता है। यदि कोई छँटनी ना भी हो, कामगारों को अक्सर कम वेतन लेना पड़ता है क्योंकि सारे विश्व में नियोक्ता वित्तीय संकट का बेहतर तरीके से सामना करने के लिए लागत में कटौती कर रहे हैं। कई हलकों में यह भय भी व्यक्त किया गया है कि खाड़ी के देशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों का विपरीत प्रवासन हो सकता है, जिसका परिणाम भारत में प्रेषण और एनआरआइ जमाओं में गिरावट हो सकता है। खाड़ी क्षेत्र में, विशेष रूप से यूएई में, निर्माण उद्योग वैश्विक मंदी के कारण बुरे दौर से गुजर रहा है और लाखों निर्माण कामगारों को अनिश्चित भविष्य में छोड़ दिया है। इसके अलावा, तेल के मूल्यों के गिरने, खाड़ी क्षेत्रो में कामगारों की आय घटने से भारत के प्रति प्रेषण में कमी आ सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने स्थानीय कार्यालयों की मदद से यह विश्लेषण करने के लिए एक अध्ययन कराया कि क्या कोई विपरीत प्रवासन हुआ है और परिणामस्वरूप प्रेषण में कमी आई है।

यद्यपि खाड़ी के देशों में रहनेवाले प्रवासियों द्वारा उठाए गए काम के नुकसान के संबध में कोई आधिकारिक आंकड़े/जानकारी उपलब्ध नहीं है, अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि खाड़ी के क्षेत्र से भारत लौटने वाले कामगारों के बारे में कोई संकेत नहीं है। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों / क्षेत्र के बैंकरों से औपचारिक चर्चा करने से पता चला है कि बैंकों के पास इस मामले में कोई प्रामाणिक जानकारी नहीं है और विपरीत प्रवासन में किसी रुझान को नहीं देखा है। तथापि, चुनिंदा अनिवासी भारतीयों के साथ औपचारिक चर्चा करने पर यह पता चला कि बहुत सारे भारतीय और कई अन्य देशों के लोग यूएई में, मुख्य रूप से निर्माण क्षेत्र में, जहां ये कंपनियाँ अपने खर्चो को कम करने का प्रयास कर रहीं हैं, नौकरियाँ खो रहे हैं। यह देखा गया कि कंपनियाँ कई परियोजनाओं के लिये पुनः निविदायें मंगा रहीं हैं क्योंकि निर्माण की सभी सामग्रियों के दाम घटे हैं। चूकिं निर्माण क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है, कामगार, उप ठेकेदार, सभी संबंधित वस्तुओं के निर्माता प्रभावित हुए हैं। लेकिन, ज्यादातर छँटनियों ने उन लोगों को प्रभावित किया है जो शुरुआती तौर पर अथवा छोटे स्तर के अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे।

रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालयों से इकट्ठी की गई सूचनाओं के आधार पर, यह देखा गया कि आवक प्रेषणों में कोई कमी नहीं आई है। इसके लिये कई कारकों को निम्नानुसार उत्तरदायी माना जा सकता है।

1) चूंकि आवक प्रेषण, हाल की अवधि में रुपये के मूल्यह्रास के कारण ब्याज अंतर और विनिमय दर उतार-चढ़ाव पर निर्भर होते हैं, प्रवाह में काफी अधिक वृद्धि हुई है, विशेष रूप से रुपया मूल्यवर्गित एनआरआइ खातों जैसे एनआरओ और एनआर(ई) आरए स्कीम के माध्यम से।

2) इसके अलावा, सितंबर 2008 से एनआरआइ जमाओं पर ब्याज दर सीमा में वृद्धि को एफसीएनआर(बी) मामले में बढ़ाकर लिबोर/स्वैप दर प्लस 100 आधार अंक और एनआरई जमाओं के मामले में लिबोर/स्वैप दर प्लस 170 कर दिया गया जिससे ब्याज अंतर बढ़कर भारत के पक्ष में हो गया। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने के साथ-साथ, कुछ प्रेषण भारत की ओर आकर्षित हुए जिसने संभवता भारत के प्रति आवक प्रेषणों पर प्रतिकूल प्रभाव को कम किया।

3) खाड़ी की एनआरआइ जमाओं में अंतर सामान्तयः अंतरराष्ट्रीय तेल के मूल्य में चक्रीय उतार-चढ़ाव के प्रतिसाद स्वरूप है।

तथापि, जबकि उन्नत देश जारी वैश्विक वित्तीय संकट के कारण अधिकारिक तौर पर मंदी की स्थिति में हैं, उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि संभावनाओं पर इसके प्रभाव के बारे में बहुत अधिक आशंका व्यक्त की जा रही हैं। इस पृष्ठभूमि में, शीघ्र सुधार नहीं दिख रहा है। वास्तव में, जनवरी 2009 में आइएमएफ के नवीनतम पूर्वानुमान से पता चलता है की 2009 में वैश्विक वृद्धि 0.5 प्रतिशत होगी जो विश्व युद्ध II से सबसे कम दर (2008 में यह 3.4 प्रतिशत थी) पर होगी। उसी समय, वैश्विक वृद्धि के लिए मुख्य प्रोत्साहन भारत और चीन, जहाँ 2009 में क्रमशः 5.1 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है (2008 में क्रमशः 7.3 प्रतिशत और 9.0 प्रतिशत), द्वारा दिये जाने की आशा है। भारत के प्रति कुल प्रेषणों में उत्तरी अमरीका का लगभग 44 प्रतिशत हिस्सा है इसके पश्चात मध्यपूर्व (24 प्रतिशत) और यूरोप (13 प्रतिशत) का है, वैश्विक वित्तीय संकट और आर्थिक गतिविधियों में संबद्ध संकुचन आने के कारण प्रेषणों में कुछ कमी से इनकार नहीं किया जा सकता। विश्व बैंक के अनुमानों (नवंबर 2008) के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र से प्रेषण, जो दक्षिण एशिया और विकासशील विश्व में जीविका के साधन हैं, 2008 के 38 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 2009 के दौरान सांकेतिक डॉलर के अर्थ में 9 प्रतिशत घट सकते हैं, जबकि विकासशील देशों के प्रति वैश्विक प्रेषण के 0.9 प्रतिशत घटने का अनुमान है (2008 में 6.7 प्रतिशत बढ़कर 283 बिलियन अमरीकी डॉलर होने के विपरीत)।

सारणी 18: भारत को निजी अंतरणों की प्रवृत्ति और संरचना

(मिलियन अमरीकी डालर)

वर्ष	परिवार की देखभाल के लिए आवक प्रेषण	स्थानीय आहरण/ एनआरआइ जमाओं से चुकौती	यात्री सामान के माध्यम से लाया गया स्वर्ण तथा चांदी	भारत में धर्मदाय/ धार्मिक संस्थाओं को वैयक्तिक उपहार/ दान	कुल
1	2	3	4	5	6
1999-00	7,423	4,120	13	734	12,290
2000-01	7,747	4,727	10	581	13,065
2001-02	6,578	8,546	13	623	15,760
2002-03	9,914	6,644	18	613	17,189
2003-04	10,379	10,585	19	1,199	22,182
2004-05	9,973	8,907	27	2,168	21,075
2005-06	10,455	12,454	16	2,026	24,951
2006-07 (सं.)	14,740	13,208	27	2,860	30,835
2007-08 (आ.सं.)	21,920	18,919	26	2,641	43,506
2008-09 (अप्रैल-सितंबर) (प्रा.)	14,288	11,217	12	1,525	27,042
2007-08 (अप्रैल-सितंबर) (आ.सं.)	9,054	7,891	17	1,063	18,025

सं:संशोधित आ.सं.:आंशिक रूप से संशोधित प्रा.: प्रारंभिक

एवं अनिवासी साधारण (एनआरओ) रुपया खाते से किए जाते हैं। अनिवासी भारतीयों की जमाओं से किए जाने वाले ऐसे स्थानीय आहरण/ चुकौतियां भुगतान संतुलन के पूंजीगत खाते में देयता के रूप में विद्यमान रहना बंद कर देते हैं एवं यह निजी अंतरणों का रूप ले लेते हैं और जिन्हें चालू खाते में शामिल कर लिया जाता है।

यद्यपि कुल निजी अंतरणों में स्थानीय आहरणों का औसत योगदान वर्ष 1990 की प्रथम छमाही में 50 प्रतिशत से गिरकर दूसरी छमाही में 29 प्रतिशत हो गया, हाल ही में इसमें विपरीत प्रवृत्ति देखी गयी है। 2003-04 से, भारत के प्रति प्रेषण अंतर्वाह के लिए एक माध्यम के रूप में स्थानीय आहरण मार्ग की सापेक्षिक महत्ता बढ़ रही है(सारणी 19)। 2007-08 के दौरान कुल निजी अंतरण में स्थानीय आहरण का हिस्सा बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गया जो 2006-07 के दौरान 42.8 प्रतिशत था। स्थानीय आहरण के बढ़ते रुझान के लिए हाल की अवधि में प्रवासियों के उच्च स्तर और सुदृढ़ वृद्धि तथा सापेक्षिक रूप से नरम मुद्रास्फीति दशाओं के चलते बेहतर घरेलू निवेश अवसर उत्तरदायी हो सकते हैं। वर्तमान वैश्विक वित्तीय और आर्थिक संकट के अंतर्गत भी, अप्रवासी भारतीयों की जमाओं के प्रति सकल अंतर्वाह तथा स्थानीय आहरणों के निरंतर रुझान दर्शाते हैं कि प्रेषण अंतर्वाह मध्यावधि में संपोषणीय हो सकते हैं। यह उल्लेखनीय है कि एनआरआइ जमाओं (औसतन, लगभग 65 प्रतिशत) से बहिर्वाहों का एक बड़ा भाग एनआरआइ जमाओं से स्थानीय आहरण के रूप में है। तथापि, 2007-08 के दौरान यह हिस्सा काफी अधिक घटकर लगभग 65 प्रतिशत रह गया जो एफसीएनआर (बी) खातों के अंतर्गत उच्चतर बहिर्वाहों को दर्शाता है।

सारणी 19: एनआरआइ जमाओं, स्थानीय आहरणों और प्रेषणों से अंतर्वाह और बर्हिवाह

(मिलियन अमरीकी डालर)

वर्ष	अंतर्वाह	बर्हिवाह	स्थानीय आहरण/ एनआरइ जमाओं से चुकौती	निजी अंतरण (भुगतान संतुलन के चालू खाते में शामिल)	निजी अंतरण के % के रूप में स्थानीय आहरण (4)/(5) (प्रतिशत)
1	2	3	4	5	6
1999-00	7,405	5,865	4,120	12,290	33.5
2000-01	8,988	6,672	4,727	13,065	36.2
2001-02	11,435	8,681	8,546	15,760	54.2
2002-03	10,214	7,236	6,644	17,189	38.6
2003-04	14,281	10,639	10,585	22,182	47.7
2004-05	8,071	9,035	8,907	21,075	42.3
2005-06	17,835	15,046	12,454	24,951	49.9
2006-07 (सं.)	19,914	15,593	13,208	30,835	42.8
2007-08 (आ.सं.)	29,401	29,222	18,919	43,506	43.5
2008-09 (अप्रैल-सितंबर) (प्रा)	18,237	17,164	11,217	27,042	41.5
2007-08 (अप्रैल-सितंबर) (आ.सं.)	12,227	12,305	7,891	18,025	43.8

अ:अनंतिम आ.सं.:आंशिक रूप से संशोधित प्रा:प्रारंभिक

III.2.1.2.3 यात्री सामान के माध्यम से लाया गया सोना और चांदी

आयात के लिए उदारीकृत नीतिगत के अंतर्गत भारत सरकार ने भूषण निर्माताओं, निर्यातकों, एनआरआइ, विशेष आयात लाइसेंस धारकों और घरेलू प्रयोक्ताओं को बिक्री के लिए कतिपय नामांकित एजेंसियों द्वारा स्वर्ण के आयात की अनुमति दी। नामांकित एजेंसियों/बैंकों को विभिन्न व्यवस्थाओं जैसे आपूर्तिकर्ता/क्रेता ऋण आधार, परेषण आधार और तत्काल क्रय के अंतर्गत सोना आयात करने की अनुमति दी। इस प्रकार, 1997-98 के पश्चात वापस लौटे भारतीयों द्वारा यात्री सामान के माध्यम से स्वर्ण आयात ने प्रेषण प्रवाह के एक माध्यम के रूप में अपना महत्व खो दिया।

III.2.1.2.4 वैयक्तिक उपहार/धर्मादा/धार्मिक संस्थाओं को दान

हाल के वर्षों में इस माध्यम के अंतर्गत अंतर्वाहों में भी बढ़ोतरी हुई है, अलबत्ता 2007-08 में कुछ कम। देश को भेजा गया धन मुख्य रूप से धर्मादा/धार्मिक संस्थाओं/ एनजीओ को दिया गया दान है।

III.2.1.3 प्रेषणों की तुलनात्मक स्थिति

हाल के वर्षों में कामगारों के प्रेषण में काफी वृद्धि हुई है, विशेष रूप से विकासशील देशों में। प्रेषण कठिन वक्त के समय प्रवासी परिवारों को सुरक्षा तंत्र प्रदान करते हैं और ये प्रवाह विशिष्ट रूप से संचालन की ऐसी समस्याओं से ग्रस्त नहीं होते हैं जो सरकारी सहायता प्रवाह से संबंद्ध होते हैं। विश्व बैंक के उपलब्ध अनुमानों के अनुसार, विकासशील देशों के प्रति सरकारी तौर पर रिकॉर्ड किये गये प्रेषण प्रवाहों के, सांकेतिक अर्थ में, 6.7 प्रतिशत बढ़कर 2008 में 283 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान लगाया गया है। वास्तविक अर्थ में, प्रापक देशों के जीडीपी के भाग के रूप में प्रेषणों के 2007 के 2.0 प्रतिशत से 2008 में 1.8 प्रतिशत गिरने की संभावना है।वैश्विक वृद्धि, पण्य मूल्य और विनिमय दर की अनिश्चित संभावना को देखते हुए, प्रेषण के प्रति दृष्टिकोण अनिश्चित बना

सारणी 20: कामगारों के विप्रेषण - विप्रेषण प्राप्त करने वाले दस शीर्ष देश#

(मिलियन अमरीकी डालर)

क्रम सं.	देश	2001	2002	2003	2004	2005	2006	2007
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	**भारत***	**14,816**	**16,285**	**21,885**	**20,012**	**23,909**	**29,247**	**38,219**
2.	मैक्सिको	8,895	9,814	13,650	16,730	20,284	23,742	23,970
3.	नाइजीरिया	1,167	1,209	1,063	2,273	3,329	–	17,946
4.	फिलीपीन्स	6,328	7,167	7,681	8,617	10,668	12,481	13,266
5.	चीन	912	1,679	3,343	4,627	5,495	6,830	10,679
6.	मिश्र	2,911	2,893	2,961	3,341	5,017	5,330	7,656
7.	स्पेन	3,665	3,959	4,718	5,196	5,343	6,068	7,281
8.	रोमानिया	4	7	14	18	3,754	5,509	6,834
9.	मोरक्को	3,261	2,877	3,614	4,221	4,589	5,451	6,730
10.	बांग्लादेश	2,094	2,848	3,180	3,572	4,302	5,418	6,553

* : भारिबै के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित भारत के भुगतान संतुलन के आंकडों से लिया गया।
# : रैंकिंग 2007 के आंकडों पर आधारित।
स्रोत: भुगतान संतुलन सांख्यिकी ईयर बुक, आइएमएफ।

हुआ है। विश्व बैंक (2008) के अनुसार, यद्यपि प्रेषणों के 2008 में गिरने की संभावना है, वे निजी प्रवाह और विकासशील देशों की सरकारी सहायता की सीमा तक नहीं गिरेंगे। कई गरीब देशों में प्रेषण बाह्य वित्तीयन के सबसे बड़े स्रोत हैं। प्रेषण विकासशील देशों में विदेशी मुद्रा अर्जनों के अन्य स्रोतों की तुलना में कम अस्थिर रहे हैं (विश्व बैंक 2006)। विकासशील देशों के प्रति प्रेषणों के हाल के प्रवाह की विभिन्न देशों से तुलना करने पर पता चलता है कि 2007 के दौरान 38.2 बिलियन अमरीकी डॉलर प्राप्त कर भारत विश्व का प्रेषण प्राप्त करने वाला अग्रणी देश है, साथ ही ऐसे अंतर्वाह में सापेक्षिक स्थिरता है (सारणी 20)।

तथापि, आइएमएफ के हाल के एक अध्ययन के अनुसार, ऐसे प्रवाह के साथ संबद्ध काफी लागत और लाभ की दृष्टि से प्रेषण प्रवाह के समष्टि आर्थिक परिणामों की जांच किये जाने की आवश्यकता है (2008)। भारत के प्रेषणों के एक बड़े प्राप्तकर्ता होने के नाते, आइएमएफ के अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों के अनुसार केरल की अर्थव्यवस्था पर प्रेषण प्रवाह के प्रभाव का अनौपचारिक मूल्यांकन किया गया (बॉक्स II)।

III.3 निवेश आय

निवेश आय प्राप्तियां, मुख्य रूप से ब्याज और विदेशी मुद्रा भंडार में आरबीआइ के निवेश पर बट्टा आय तथा विदेशी भारतीय प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों की पुनर्निवेशित आय, द्वारा प्रेरित हैं। विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने के कारण 1990 के दशक के उत्तरार्ध से निवेश आय प्राप्तियां काफी अधिक बढ़ीं। पुनर्निवेशित आय में वृद्धि भारतीय कंपनियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार तक उनकी पहुंच, प्राकृतिक संसाधनों, संवितरण संजाल, विदेशी प्रौद्योगिकी और अन्य रणनीतिक आस्तियों जैसे ब्रांड के नाम से लाभ लेने के लिए भारतीय विदेशी निवेश में ऊर्ध्वगामी प्रवृत्ति को परिलक्षित करती है।

निवेश आय भुगतान में मुख्य रूप से वाणिज्यिक उधारों पर ब्याज के भुगतान, बाह्य सहायता, एनआरआइ जमाएं और अन्य अल्पकालिक देयताएं शामिल हैं। इसके अलावा, और सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि इसमें भारत में कार्य कर रहे एफडीआइ उद्यमों की पुनर्निवेशित आय और एफडीआइ तथा पोर्टफोलियो निवेश जैसी देयताओं

बॉक्स II : प्रेषणों के समष्टिआर्थिक परिणाम

प्रेषण वित्तीय संसाधनों के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रवाह होते है। प्रेषण प्राप्त करनेवाली कई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में प्रेषण विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, वित्तीय बाजार के पोर्टपोलिओ प्रवाह और विदेश से प्राप्त आधिकारिक विकास सहायता से अधिक हो जाते हैं। कुछ देशो में, कुल प्रेषण प्राप्तियाँ उनके आयात का एक बड़ा हिस्सा और जीडीपी का एक महत्वपूर्ण अंश होती हैं। सकल प्रेषण प्रवाह के बड़े आकार को देखते हुए, उनका उन पर अर्थव्यवस्थाओं पर, जो उन्हें अपनाती हैं, काफी अधिक समष्टि आर्थिक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, प्रेषणों को आर्थिक विकास के लिए निधीयन के एक काफी बड़े स्रोत के रूप में पहचाना जाता है। प्रापक अर्थव्यवस्थाओं के सापेक्षिक इन प्रवाहों के बड़े आकार के कारण, निरंतर जारी वैश्वीकरण के चलते इन प्रवाहों के सातत्य की संभावना, और आधिकारिक सहायता अथवा निजी पूंजी में से इन प्रवाहों की अलग विशेषता, प्रेषणों के एकल स्वरूप की समझ तथा उनके संभावित आर्थिक प्रभाव ने हाल के वर्षों में नीति निर्माताओं और अनुसंधान कर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है।

इस संदर्भ में, 'प्रेषणों के समष्टिआर्थिक परिणाम (2008)' (आइएमएफ ओकेजनल पेपर संख्या 259) पर आइएमएफ के हाल के अध्ययन ने प्रत्यक्ष रूप से दो प्रश्नों को संबोधित किया है - i) प्रेषणों के समष्टिआर्थिक प्रवाहों का कैसे प्रबंधन किया जाए; और ii) संक्षिप्त नीति निहितार्थों को आकर्षित करने के लिए उनको अपनानेवाली अर्थव्यवस्थाओं पर प्रेषणों के व्यापक समष्टिआर्थिक प्रभाव के पहले वैश्विक अध्ययन के परिणामों को रिपोर्ट करके, कैसे उनकी विकास संभावना को बढ़ाया जाय। जबकि सामान्यतः इस पर सहमति है कि प्रेषण परिवारों को गरीबी से ऊपर उठाकर पारिवारिक कल्याण में सुधार लाते हैं और उनको आय आघातों के विरुध्द बीमा प्रदान करते हैं, आएमएफ अध्ययन ने, व्यवस्थित समष्टिआर्थिक विश्लेषण के माध्यम से, कई महत्वपूर्ण चेतावनियाँ और नीतिगत प्रतिफल दिये हैं जिनको साहित्य में व्यापक रूप से अनदेखा कर दिया गया है। अध्ययन के विशिष्ट निष्कर्षों को तीन बिंदुओं के अंतर्गत सार संक्षेपित किया जा सकता है : क) समष्टि अर्थशास्त्र पर उसके प्रभाव के आकलन के लिए प्रेषणों का सही मापांकन आवश्यक है, और इसलिए सुदृढ़ नीति निर्माण के लिए भी : ख) प्रेषणों के अनेक संभावित फायदे होते हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लागत से सुमेलित होता है ; और ग) जबकि किसी प्रति उत्पादक अनुषंगी प्रभाव को सीमित अथवा समंजित करते समय ऐसी नीतियाँ बनाने की चुनौती है जो इन लाभों को परिवारों और अर्थव्यवस्था तक प्रवाहित कर सके ।

इस पृष्ठ भूमि में, भारत के एक राज्य - केरल में प्रेषणों के समिष्ट आर्थिक प्रभाव को समझने के लिए एक आंतरिक अध्ययन किया गया और भारत के लिए आइएमएफ के नीति निहितार्थों को समझने के लिए उसके अध्ययन के निष्कर्षों से तुलना की गई। केरल पर आंतरिक अध्ययन के व्यापक निष्कर्षों ने भारत के लिए प्रासंगिक निम्नलिखित मसलों पर प्रकाश डाला। एक, ऐसे संकेत हैं कि संभावित लाभ (केरल) राज्य के प्रेषण लागत के बराबर हों। केरल के प्रति प्रेषणों पर किए गए कई अध्ययनों के अनुसार, परिवार के कल्याण में सुधार को प्रेषणों के प्रत्यक्ष संभावित लाभ के रूप में देखा जा सकता है। तथापि, राज्य के पूंजी संचयन और राज्य की राज्यकोषीय क्षमता पर प्रेषण के प्रभाव की अभी विस्तार से जांच की जानी है जिससे यह समझा जा सके कि क्या राज्य प्रेषणों का अधिकतम लाभ उठा सके हैं। दो, प्रेषणों पर उपलब्ध अध्ययन और केरल पर इसके प्रभाव भी प्रेषण की संभावित लागत की उपस्थिति रेखांकित करते हैं, कम से कम शिक्षित बेरोजगार के रूप में। फिर भी, अन्य संभावित लागतों के अस्तित्व की पहचान के लिए इस क्षेत्र में और शोध किए जाने की आवश्यकता है जिससे प्रेषणों के नकारात्मक बाह्यताओं से बचने के लिए नीतियों के निर्माण में मदद मिल सके। तीन, यह पाया गया कि खपत मांग को प्रेरित करने वाले प्रेषण सेवा क्षेत्र, जो राज्य अर्थव्यवस्था का प्रमुख संचालक है, को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, निर्माण क्षेत्र, जो भी प्रेषणों से संचालित है, राज्य के द्वितीयक क्षेत्र में काफी अधिक योगदान करता है। निर्माण क्षेत्र अर्थव्यवस्था में रोजगार के सृजन के लिए उत्तरदायी है। प्रेषणों के समष्टि आर्थिक प्रभाव पर आइएमएफ के निष्कर्षों की वास्तविक जांच केरल राज्य के आंतरिक निष्कर्षों से बहुत अधिक मिलती जुलती है (सारणी)।

बॉक्स II : प्रेषणों के समष्टिआर्थिक परिणाम *(समाप्त)*

सारणी : प्रेषणों के समष्टिआर्थिक परिणाम: आइएमएफ अध्ययन और केरल के साक्ष्य

आइएमएफ अध्ययन के निष्कर्ष - प्रेषणों के समष्टिआर्थिक परिणाम	केरल की अर्थव्यवस्था की वास्तविक जांच
प्रेषण प्रवाह का मापन	
(i) समष्टि अर्थशास्त्र पर उसके प्रभाव के आकलन के लिए प्रेषणों का सही मापांकन आवश्यक है, और इसलिए सुदृढ़ नीति निर्माण के लिए भी।	(i) राष्ट्रीय स्तर पर, प्रेषण के आंकड़ों को भुगतान संतुलन के आंकड़ों के रूप में समुचित रूप से समाहित किया गया है। तथापि, केरल की ओर प्रेषणों पर केरल में कोई आधिकारिक अनुमान नहीं लगाया गया है अथवा व्यवस्था अभी राज्य-वार प्रेषण को अनुमानित करने की स्थिति में नहीं है।
संभावित लाभ	
(i) प्रेषण वैयक्तिक परिवार के कल्याण में सुधार करते हैं।	(i) प्रेषणों ने परिवारों में टिकाऊ और गैर टिकाऊ खपत को बढ़ाया है।
(ii) प्रेषण चालू खाता घाटे का वित्तपोषण करते हैं और घरेलू खपत को सुगम बनाते हैं।	(ii) बढ़ा हुआ अंतर राज्य व्यापार बढ़ी हुई खपत का संकेत है।
(iii) निवेश की कार्यकुशलता पर प्रेषणों का प्रभाव वित्तीय विकास पर उनके प्रभाव और वित्तीय मध्यस्थता की सीमांत लागत पर निर्भर होते हैं।	(iii) राज्य के प्रति प्रेषणों में वृद्धि राज्य के ऋण जमा अनुपात में तदनुरूपी बढ़ते रुझान से मेल नहीं खाती है जो वित्तीय मध्यस्थता की अक्षमता में परिलक्षित होती है।
संभावित लागत	
(i) प्रेषण श्रम-विश्राम ट्रेड ऑफ को बढ़ा सकते हैं जो, बदले में, पूंजी संचयन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।	(i) केरल में शिक्षित बेरोजगारी के उच्च स्तर को सुदृढ़ श्रम-विश्राम ट्रेड ऑफ की विद्यमानता के रूप में समझा जा सकता है।
(ii) सरकारें खपत और अधिक उधार लेने के द्वारा प्रेषणों से बने राजकोषीय अंतर का लाभ ले सकती हैं।	(ii) केरल सरकार के बढ़ती देयताएं इस रुझान का परिचायक हैं।
(iii) प्रेषण प्राप्त करने वाले देशों में प्रेषण- प्रेरित डच डिजीस प्रभाव के साक्ष्य ।	(iii) यद्यपि सटीक रूप से डच डिजीस प्रभाव नहीं है, व्यापार माल क्षेत्र का कमजोर निष्पादन दृष्टिगम्य है।
(iv) प्रेषण ट्रैप-एक एक बड़ा मामलाः बहुत से देश कम वृद्धि, कमजोर आर्थिक नीति और अधिक प्रेषण की विशेषता की स्थिति से गुजर रहे हैं।	(iv) अधिक प्रेषण और अधिक बेरोजगारी के दुष्चक्र की विद्यमानता पर प्रवासन राज्य पहेली में बेरोजगारी के समाधान के रूप में समझा जा रहा है।
वृद्धि का अनुमान	
(i) चूंकि प्रेषण स्वरूप में प्रतिपूरक होते हैं, कार्य में बदलाव और निवेश आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने के लिए उनकी क्षमता को कमजोर कर सकते हैं।	(i) प्रेषणों ने खपत मांग को प्रेरित किया जिसने, बदले में, सेवा क्षेत्र को बढ़ावा दिया जो राज्य अर्थव्यवस्था की वृद्धि का प्रमुख संचालक हो गया।

सारणी 21: निवेश आय

(मिलियन अमरीकी डालर)

वर्ष	प्राप्तियां	भुगतान	निवल
1	2	3	4
1990-91	368	4,120	-3,752
1995-96	1,429	4,634	-3,205
1999-00	1,783	5,478	-3,695
2000-01	2,554	7,218	-4,664
2001-02	3,254	7,098	-3,844
2002-03	3,405	6,370	-2,965
2003-04	3,774	7,531	-3,757
2004-05	4,124	8,219	-4,095
2005-06	6,229	11,491*	-5,262
2006-07 (सं.)	8,926	15,688	-6,762
2007-08 (आं.सं.)	13,808	18,089	-4,281
2008-09 (अप्रै.-सितं.) (प्रा.)	7,273	8,841	-1,568
2007-08(अप्रै-सितं)(आं.सं.)	5,887	8,802	-2,915

* अन्य बातों के साथ-साथ, इंडिया मिलेनियम डिपॉजिट के ब्याज भुगतान (1,718 मिलियन अमरीकी डालर) को शामिल किया गया।

सं: संशोधित आं.सं.: आंशिक रूप से संशोधित प्रा.: प्रारंभिक

पर लाभांश और लाभ भुगतान शामिल हैं। जबकि निवेश खाते के अंतर्गत प्राप्तियां और भुगतान दोनों हाल के वर्षों में बढ़े हैं, प्राप्तियों के सापेक्षिक उच्चतर भुगतान का परिणाम निवल घाटा हुआ है (सारणी 21)।

जबकि ब्याज भुगतान ऋण के स्तर और ब्याज दर वातावरण पर निर्भर होते हैं, पुनर्निवेशित आय भुगतान लाभदायकता और भारत में कार्य कर रहे एफडीआइ उद्यमों के पुनर्निवेशित निर्णयों द्वारा प्रभावित होते हैं। 2000-01 से निवेश भुगतानों के स्तर का परिवर्तन, आंशिक रूप से सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप भारत में एफडीआइ रिकॉर्डिंग की संशोधित प्रक्रिया के अनुसार एफडीआइ उद्यमों की पुनर्निवेशित आय के समावेशन को, दर्शाता है। निवेश आय भुगतानों में वृद्धि, विशेष रूप से 2004-05 से, मुख्य रूप से पुनर्निवेशित आय और लाभांश तथा लाभों के कारण रही है जो भारतीय पूंजी बाजार में उच्चतर प्रतिफल और बेहतर कंपनी लाभप्रदता को दर्शाती है (सारणी 22)।

सारणी 22: निवेश आय की प्राप्तियों और भुगतान के ब्यौरे

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 (सं)	2007-08 (आं.सं)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
क. कुल प्राप्तियां (1 से 5)	**2,554**	**3,254**	**3,405**	**3,774**	**4,124**	**6,229**	**8,926**	**13,808**
1. अनिवासियों को दिए गए ऋण पर ब्याज प्राप्तियां	84	201	154	198	65	101	163	1,466
2. लाभांश और लाभ	11	57	34	40	92	225	450	476
3. पुनर्निवेश आय	340	700	1,104	552	248	1,092	1,076	1,084
4. विदेशी मुद्रा भंडार पर ब्याज/छूट आय	1,950	1,757	1,835	2,115	3,014	4,519	6,641	10,124
5. अन्य	169	539	278	869	705	292	596	658
ख. कुल भुगतान (1 से 7)	**7,218**	**7,098**	**6,370**	**7,531**	**8,219**	**11,491**	**15,688**	**18,089**
1. एनआरआइ जमाओं पर ब्याज भुगतान	1,811	1,808	1,413	1,642	1,353	1,497	1,969	1,813
2. ईसीबी पर ब्याज भुगतान	2,020	1,945	1,486	2,584	1,283	3,148	1,709	2,655
3. बाह्य सहायता पर ब्याज भुगतान	827	792	1,111	822	710	825	982	1,143
4. अन्य (एसटी) ऋणों/ बांड़ो पर ब्याज	80	80	22	80	400	347	200	415
5. लाभांश और लाभ	1,047	711	462	878	1,991	2,502	3,486	3,576
6. पुनर्निवेश आय	1,350	1,645	1,832	1,459	1,903	2,760	5,828	7,167
7. अन्य	83	117	44	66	579	412	1,514	1,320
ग. निवल निवेश आय (क-ख)	**-4,664**	**-3,844**	**-2,965**	**-3,757**	**-4,095**	**-5,262**	**-6,762**	**-4,281**

स: संशोधित आं.सं.: आंशिक रूप से संशोधित

IV. समापन टिप्पणी और संभावना

बढ़ते व्यापार घाटे के बावजूद 1990 के दशक से अदृश्य मदों के आधिक्य के उद्‌भव ने चालू खाता घाटे को एक संकुचित दायरे में रखने में मदद की है जिसमें बीच-बीच के वर्षों में आधिक्य रहा। काफी अधिक पूंजी अंतर्वाहों के साथ चालू खाता के आधिक्य की निरंतरता ने व्यक्तियों और कंपनियों के लिए चालू और पूंजी खाते दोनों के लेनदेनों पर भुगतान प्रतिबंधों को और आसान बनाया। भारत के अदृश्य मदों के खाते की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता सकल प्राप्तियों और भुगतानों में काफी अधिक वृद्धि रही है, विशेष रूप से 2002-03 से। अदृश्य मदों की प्राप्तियों में वृद्धि सुस्थिर रही है, जबकि अदृश्य मदों के भुगतान में वृद्धि वर्ष-दर-वर्ष भिन्न-भिन्न रही है। सेवा निर्यात में सुदृढ़ वृद्धि, विशेष रूप से सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं में, तथा विदेशी भारतीयों के प्रेषणों ने अदृश्य मदों की प्राप्तियों को स्थिरता प्रदान की है। दूसरी तरफ, अदृश्य मदों के भुगतान में वृद्धि मुख्य रूप से बाह्य ऋण से संबंधित ब्याज भुगतान, विदेशी निवेश पर चुकाए गए लाभांश/लाभ, और प्रौद्योगिकी से संबंधित भुगतान तथा कारोबारी सेवाओं के कारण रही है, ऐसी सेवाओं के लिए मांग बढ़ रही है। न केवल समग्र राशि में बल्कि जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, हाल के वर्षों में निवल अदृश्य मदों में काफी अधिक सुधार दिखा है। समग्र रूप से, भारत के अदृश्य मदों की उल्लेखनीय विशेषता है - प्लवनशील सेवा निर्यात विशेष रूप से सॉफ्टवेयर सेवाएं और कारोबार सेवाएं तथा, निजी अंतरण जिनमें स्तर में अंतरण और कम अस्थिरता दिखी है, जो चालू प्राप्तियों को स्थिरता प्रदान करते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के काफी अधिक प्रौद्योगिकीय रूपांतरण तथा कुशल मानवशक्ति में वृद्धि ने इस प्रक्रिया को समर्थ बनाया है। 2007 के दौरान सॉफ्टवेयर निर्यात और अंतरण प्राप्तियों में भारत की लगातार अग्रणी स्थिति से पता चलता है कि वे 2008 के दौरान वित्तीय अंतर्वाहों के महत्वपूर्ण और स्थिर स्रोत बने रहेंगे, यद्यपि वैश्विक वित्तीय संकट की गहनता का कुछ प्रभाव पड़ेगा।

मध्य सितंबर 2008 से वैश्विक वित्तीय संकट की गहनता ने कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं-अमरीका, यूरोप और जापान को पहले ही आधिकारिक तौर पर मंदी में ढ़केल दिया है, भारत सहित कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न माध्यमों से प्रतिकूल प्रभाव का अनुभव हो रहा है। संबंधित सेवाओं पर प्रभाव के साथ-साथ व्यापार और पूंजी प्रवाह दोनों में प्रभाव दृष्टिगोचर है। इसके अलावा, बाहरी और घरेलू मांग में संकुचन अन्य सेवाओं की मांग में कमी ला सकती है। सेवाओं के अलावा, मंदी के फलस्वरूप वेतन में कमी और रोजगार जाने के कारण प्रवासी कामगारों की आय में आई कमी के प्रेषण प्रवाह के लिए निहितार्थ हो सकते हैं। इसके अलावा, खाडी के देशों में कामगारों की आय को घटाने के द्वारा तेल मूल्यों की गिरावट भारत को प्रेषण प्रवाह कम कर सकती है। वैश्विक ब्याज दरों के गिरने, पूंजी बाजार के धड़ाम होने तथा कमजोर कंपनी प्रदर्शन से निवेश आय की प्राप्तियों और भुगतानों में संकुचन हो सकता है। इस प्रकार, वैश्विक वित्तीय और आर्थिक संकट का भारत की अदृश्य मदों के शेष, जिसने ऐतिहासिक रूप से चालू खाते के घाटे को कम करने में मदद की है, के लिए कुछ निहितार्थ हो सकते हैं।

संदर्भ:

1. एपोस्टोलोस कुटनीज (2005) 'इंटरनेशनल ट्रेड इन बैंकिंग सर्विसेज एंड दि रोल ऑफ द डब्ल्यूटीओ: डिस्कसिंग दि लीगल फ्रेमवर्क एंड पालिसी ओब्जेक्टिव्स ऑफ दि जनरल एग्रीमेंट आन ट्रेड इन सर्विसेज एंड दि करेंट स्टेट ऑफ प्ले इन दि दोहा राउंड ऑफ ट्रेड नेगोशिएसंस', अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता, खंड 39, सं.4।

2. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (1993) 'मैन्युअल ऑन बेलेंस ऑफ पेमेंट्स स्टेटिस्टिक्स', 5 वा संस्करण ।

3. चामी, आर.ए.बारजास, टि कोसीमेनो, सी. फुलेनकेम्प, एम जापेन और पी. मोंटियल (2008) 'माइक्रोइकोनॉमिक्स कांसीक्वेंसेस ऑफ रेमिटेंसेस', आइएमएफ ओकेजनल पेपर सं.259 ।

4. नास्कॉम (2009) 'स्ट्रेटेजिक रिव्यू 2009- दि आइटी-बीपीओ सेक्टर इन इंडिया'।

5. भारतीय रिज़र्व बैंक (2007) 'बैंकिंग सेवा में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए सांख्यिकीय पर बने तकनीकी समूह की रिपोर्ट'।

6. रथ, डी.एस. महापात्रा और जू.झू (2008) ''आटलुक फॉर रेमिटेंसेस 2008-10'' डेवलपमेंट प्रोस्पेक्टस ग्रुप, माइग्रेशन और रेमिटेंसेस ग्रुप, विश्व बैंक, नवंबर।

7. संयुक्त राष्ट्र (2002),'मैन्युअल ऑन स्टेटिस्टिक्स ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड सर्विसेज' ।

8. विश्व बैंक (2007), 'ग्लोबल डेवलपमेंट फायनेंस - दि ग्लोबलाइजेशन ऑफ कार्पोरेट फायनेंस इन डेवलपिंग कंट्रीज'।

विवरण 1 : श्रेणीवार अदृश्य वस्तुएं

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं.सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
I. अदृश्य मदों की प्राप्तियां (क+ख+ग)	**30,312**	**32,267**	**36,737**	**41,925**	**53,508**	**69,533**	**89,687**	**114,558**	**148,604**
क. सेवाएं	**15,709**	**16,268**	**17,140**	**20,763**	**26,868**	**43,249**	**57,659**	**73,780**	**90,077**
1) यात्रा	3,036	3,497	3,137	3,312	5,037	6,666	7,853	9,123	11,349
2) परिवहन	1,707	2,046	2,161	2,536	3,207	4,683	6,325	7,974	10,014
3) बीमा	231	270	288	369	419	870	1,062	1,195	1,639
4) जीएनआइई	582	651	518	293	240	401	314	253	330
5) विविध	10,153	9,804	11,036	14,253	17,965	30,629	42,105	55,235	66,745
जिसमें से: सॉफ्टवेयर सेवाएं	*3,962*	*6,341*	*7,556*	*9,600*	*12,800*	*17,700*	*23,600*	*31,300*	*40,300*
ख. अंतरण	**12,672**	**13,317**	**16,218**	**17,640**	**22,736**	**21,691**	**25,620**	**31,470**	**44,259**
1) सरकारी अंतरण	382	252	458	451	554	616	669	635	753
2) निजी अंतरण	12,290	13,065	15,760	17,189	22,182	21,075	24,951	30,835	43,506
ग. आय	**1,931**	**2,682**	**3,379**	**3,522**	**3,904**	**4,593**	**6,408**	**9,308**	**14,268**
1) निवेश-आय	1,783	2,554	3,254	3,405	3,774	4,124	6,229	8,926	13,808
2) कर्मचारियों को वेतन	148	128	125	117	130	469	179	382	460
II. अदृश्य मदों का भुगतान (क+ख+ग)	**17,169**	**22,473**	**21,763**	**24,890**	**25,707**	**38,301**	**47,685**	**62,341**	**74,012**
क. सेवाएं	**11,645**	**14,576**	**13,816**	**17,120**	**16,724**	**27,823**	**34,489**	**44,311**	**52,512**
1) यात्रा	2,139	2,804	3,014	3,341	3,602	5,249	6,638	6,684	9,254
2) परिवहन	2,410	3,558	3,467	3,272	2,328	4,539	8,337	8,068	11,514
3) बीमा	122	223	280	350	363	722	1,116	642	1,044
4) जीएनआइई	270	319	283	228	212	411	529	403	376
5) विविध	6,704	7,672	6,772	9,929	10,219	16,902	17,869	28,514	30,324
जिसमें से: सॉफ्टवेयर सेवाएं	*138*	*591*	*672*	*737*	*476*	*800*	*1,338*	*2,267*	*3,058*
ख. अंतरण	**34**	**211**	**362**	**802**	**574**	**906**	**933**	**1,391**	**2,315**
1) सरकारी अंतरण	0	0	0	0	0	356	475	381	514
2) निजी अंतरण	34	211	362	802	574	550	458	1,010	1,801
ग. आय	**5,490**	**7,686**	**7,585**	**6,968**	**8,409**	**9,572**	**12,263**	**16,639**	**19,185**
1) निवेश-आय	5,478	7,218	7,098	6,370	7,531	8,219	11,491	15,688	18,089
2) कर्मचारियों को वेतन	12	468	487	598	878	1,353	772	951	1,096
निवल अदृश्य मदें (I-II)	**13,143**	**9,794**	**14,974**	**17,035**	**27,801**	**31,232**	**42,002**	**52,217**	**74,592**

सं. : संशोधित आं.सं. : आंशिक रूप से संशोधित

विवरण 2 : लेनदनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों की प्राप्तियां

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं.सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अदृश्य मदों की प्रप्तियां (क+ख+ग)	**30,312**	**32,267**	**36,737**	**41,925**	**53,508**	**69,533**	**89,687**	**114,558**	**148,604**
क. सेवाएं	**15,709**	**16,268**	**17,140**	**20,763**	**26,868**	**43,249**	**57,659**	**73,780**	**90,077**
1) यात्रा खाता									
i) भारत में पर्यटन पर व्यय	3,036	3,497	3,137	3,312	5,037	6,666	7,853	9,123	11,349
कुल	**3,036**	**3,497**	**3,137**	**3,312**	**5,037**	**6,666**	**7,853**	**9,123**	**11,349**
2) परिवहन खाता									
क) समुद्री परिवहन									
i) विदेशों में परिचालित भारतीय कंपनियों द्वारा विप्रेषित अधिशेष	61	34	71	50	36	208	451	452	508
ii) भारत में विदेशी कंपनियों का परिचालन व्यय	161	87	103	145	289	462	638	924	773
iii) चार्टर किराया प्रभार	42	99	85	83	94	48	144	97	207
ख) हवाई परिवहन									
i) विदेशों में परिचालित भारतीय कंपनियों द्वारा विप्रेषित अधिशेष	180	185	154	170	97	130	200	307	690
ii) भारत में विदेशी कंपनियों का परिचालन व्यय	20	22	10	5	18	107	37	83	155
iii) चार्टर किराया प्रभार	24	4	18	5	18	20	21	35	42
ग) निर्यातों पर भाड़ा	1,065	1,458	1,476	1,815	2,470	3,660	4,407	5,481	6,921
घ) अन्य	154	157	244	263	185	48	427	595	718
कुल (क से घ)	**1,707**	**2,046**	**2,161**	**2,536**	**3,207**	**4,683**	**6,325**	**7,974**	**10,014**
3) बीमा खाता									
क) निर्यात बीमा	192	243	247	303	373	478	575	717	964
ख) प्रीमियम									
i) जीवन	1	1	5	21	0	25	37	64	98
ii) जीवनेतर	7	5	8	6	12	289	78	113	132
iii) विदेशी कंपनियों से पुनर्बीमाकृत	10	4	8	16	9	19	200	82	184
ग) विदेशी कंपनियों से प्राप्त व्यवसाय पर कमीशन	0	2	4	4	5	29	85	79	124
घ) अन्य	21	15	16	19	20	30	87	140	137
कुल (क से घ)	**231**	**270**	**288**	**369**	**419**	**870**	**1,062**	**1,195**	**1,639**
4) सरकार जिसे अन्यत्र शामिल नहीं किया गया									
क) भारत में विदेशी दूतावासों और राजनयिक मिशनों का रखरखाव	205	222	195	178	185	229	208	139	197
ख) भारत में अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संस्थाओं का रखरखाव	377	429	323	115	55	172	106	114	133
कुल (क से ख)	**582**	**651**	**518**	**293**	**240**	**401**	**314**	**253**	**330**
5) विविध खाता									
क) संचार सेवाएं	1,064	1,138	752	812	990	1,384	1,575	2,262	2,408
ख) निर्माण सेवाएं	389	536	144	178	458	491	242	700	763
ग) वित्तीय सेवाएं	361	347	292	676	299	512	1,209	3,106	3,217
घ) सॉफ्टवेयर सेवाएं	3,962	6,341	7,556	9,600	12,800	17,700	23,600	31,300	40,300
जिसमें से : आइटी सेवाएं	3,397	5,411	6,061	7,100	9,200	13,100	17,300	22,900	29,400
आइटीईएस- बीपीओ	565	930	1,495	2,500	3,600	4,600	6,300	8,400	10,900
ङ) नई एजेंसी सेवाएं	342	114	9	59	69	171	185	334	503
च) रॉयल्टी,कॉपीराइट और लाइसेंस शुल्क	54	60	22	23	32	71	191	97	157

विवरण 2 : लेनदनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों की प्राप्तियां *(जारी)*

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं.सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
छ) कारोबार सेवाएं (i से xii)$	643	334	519	807	1,296	5,167	9,307	14,544	16,771
i) मर्चेंटिंग सेवाएं						278	389	239	417
ii) व्यापार संबंधित सेवाएं						429	521	1,325	2,233
iii) परिचालनात्मक पट्टा सेवाएं						28	107	101	475
iv) कानूनी सेवाएं						257	277	605	702
v) लेखांकन/लेखा परीक्षा सेवाएं						38	68	176	228
vi) कारोबार प्रबंध एवं परामर्शी सेवाएं	643	334	519	807	1,296	1,556	2,320	4,476	4,433
vii) विज्ञापन / व्यापार मेला						162	342	694	712
viii) अनुसंधान और विकास सेवाएं						221	395	760	1,335
ix) वास्तुविद अभियांत्रिकी और अन्य तकनीकी सेवाएं						1,417	3,193	3,457	3,144
x) कृषि, खनन, और ऑनसाइट प्रोसेसिंग सेवाएं						52	32	46	57
xi) विदेश सेवा के कार्यालयों का रखरखाव						724	1,577	2,638	2,861
xii) पर्यावरण सेवाएं						5	86	27	174
ज) वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवाएं						105	189	243	562
i) धनवापसी/छूट	53	52	54	44	51	380	75	293	337
झ) अन्य सेवाएं $$	3,285	882	1,688	2,054	1,970	4,648	5,532	2,357	1,726
कुल (क से झ)	**10,153**	**9,804**	**11,036**	**14,253**	**17,965**	**30,629**	**42,105**	**55,235**	**66,745**
ख) अंतरण	**12,672**	**13,317**	**16,218**	**17,640**	**22,736**	**21,691**	**25,620**	**31,470**	**44,259**
1) सरकारी अंतरण									
i) अनिवासियों से प्राप्त दान	40	85	44	32	90	63	53	61	67
ii) पीएल 480 II के अन्तर्गत अनुदान	96	97	68	58	33	30	38	31	28
iii) अन्य सरकारों से अनुदान	246	70	346	361	431	523	578	543	658
कुल (i से iii)	**382**	**252**	**458**	**451**	**554**	**616**	**669**	**635**	**753**
2) निजी अंतरण									
i) परिवार निर्वाह आदि के लिए विदेश स्थित भारतीय कामगारों से आवक विप्रेषण	7,423	7,747	6,578	9,914	10,379	9,973	10,455	14,740	21,920
ii) अनिवासी जमाराशियों से स्थानीय आहरण/प्रतिदान	4,120	4,727	8,546	6,644	10,585	8,907	12,454	13,208	18,919
iii) यात्री सामान के माध्यम से लाया गया सोना और चांदी	13	10	13	18	19	27	16	27	26
iv) भारत में व्यक्तिगत उपहार, धर्मार्थ/धार्मिक संस्थानों को दान	734	581	623	613	1,199	2,168	2,026	2,860	2,641
कुल (i से iv)	**12,290**	**13,065**	**15,760**	**17,189**	**22,182**	**21,075**	**24,951**	**30,835**	**43,506**
ग. आय खाता	**1,931**	**2,682**	**3,379**	**3,522**	**3,904**	**4,593**	**6,408**	**9,308**	**14,268**
1) कर्मचारियों को वेतन									
i) विदेशी करारों पर कार्य करने वाले भारतीय कामगारों द्वारा प्राप्त मजदूरी	148	128	125	117	130	469	179	382	460

विवरण 2 : लेनदनों की श्रेणी-वार अदृश्य प्राप्तियां (समाप्त)

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं.सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2) निवेश आय									
i) अनिवासियों को ऋणों पर प्राप्त ब्याज	59	84	201	154	198	65	101	163	1,466
ii) विदेशी निवेश पर भारतीयों द्वारा प्राप्त लाभांश/लाभ	16	11	57	34	40	92	225	450	476
जिसमे से:									
विदेशी निवेश पर भारतीयों द्वारा प्राप्त लाभांश	#	#	#	#	#	44	28	137	131
विदेशी निवेश पर भारतीयों द्वारा प्राप्त लाभ	#	#	#	#	#	48	197	313	345
iii) पुनर्निवेशित आय	0	340	700	1,104	552	248	1,092	1,076	1,084
iv) डिबेंचर, एफ आर एन, वाणिज्यिक पत्र जमाराशियों पर प्राप्त ब्याज और विदेशी मुद्रा ऋणों/निर्यात आय से प्राधिकृत व्यापारियों द्वारा विदेश में धारित निधियां	11	18	13	14	31	182	104	64	106
v) प्राधिकृत व्यापारियों द्वारा विदेशी सह प्रतिनिधियों / शाखाओं द्वारा वोस्ट्रो खातों के ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	10	6	30	40	95	333	110	262	227
vi) अनिवासियों द्वारा कर-भुगतान / भारतीयों को विदेशी सरकार द्वारा कर की वापसी	195	70	131	21	157	173	58	257	321
vii) ब्याज/बट्टा, आय आदि, भा.रि.बैं के निवेश पर आय	1,383	1,950	1,757	1,835	2,115	3,014	4,519	6,641	10,124
viii) एसडीआर धारिताओं पर ब्याज / लाभ	9	8	7	13	10	17	20	13	4
ix) अन्य	100	67	358	190	576	0	0	0	0
कुल (i से ix)	**1,783**	**2,554**	**3,254**	**3,405**	**3,774**	**4,124**	**6,229**	**8,926**	**13,808**

विवरण 3 : लेनदेनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों का भुगतान

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं. सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अदृश्य मदों के भुगतान (क+ख+ग)	**17,169**	**22,473**	**21,763**	**24,890**	**25,707**	**38,301**	**47,685**	**62,341**	**74,012**
क. सेवाएं	**11,645**	**14,576**	**13,816**	**17,120**	**16,724**	**27,823**	**34,489**	**44,311**	**52,512**
1) यात्रा खाता									
i) व्यवसाय	1,268	1,586	1,471	1,987	2,712	3,222	3,452	2,822	3,297
ii) स्वास्थ्य संबंधी	3	4	4	4	6	14	38	13	17
iii) शिक्षा संबंधी	61	95	249	169	237	642	1,114	1,105	2,827
iv) बेसिक ट्रैवल कोटा (बीटीक्यू)	379	381	518	796	449	1,164	1,240	1,800	1,967
v) तीर्थयात्रा	137	187	113	125	16	31	27	117	88
vi) अन्य	291	551	659	260	182	176	767	827	1,058
कुल (i से vi)	**2,139**	**2,804**	**3,014**	**3,341**	**3,602**	**5,249**	**6,638**	**6,684**	**9,254**
2) परिवहन खाता									
क. समुद्री परिवहन									
i) भारत में परिचालित विदेशी कंपनियों द्वारा विप्रेषित अधिशेष	387	408	474	330	148	1,009	1,636	1,913	1,663
ii) विदेश में भारतीय कंपनियों का परिचालन व्यय	406	831	446	505	364	333	1,005	551	901
iii) चार्टर किराया प्रभार	116	157	112	111	100	87	83	84	148
iv) आयातों पर भाड़ा	@	@	@	@	@	876	1,504	1,347	2,952
v) निर्यातों पर भाड़ा	..	..	..	..	..	519	581	710	779
vi) विदेश यात्रा बुक करने के लिए विप्रेषण	#	#	#	#	#	26	12	5	4
ख. हवाई परिवहन									
i) भारत में परिचालित विदेशी कंपनियों द्वारा विप्रेषित अधिशेष	821	1,236	1,362	1,410	652	1,147	2,194	1,835	2,637
ii) विदेश में भारतीय कंपनियों का परिचालन व्यय	134	98	111	112	132	102	286	240	565
iii) चार्टर किराया प्रभार	75	73	70	82	60	48	141	239	513
iv) आयातों पर भाड़ा	@	@	@	@	@	118	125	176	555
v) निर्यातों पर भाड़ा	..	..	..	..	..	59	41	32	27
vi) विदेश यात्रा बुक करने के लिए विप्रेषण	#	#	#	#	#	31	8	13	25
ग. आयातों पर भाड़ा	304	647	732	600	763	@@	@@	@@	@@
घ. विदेशी यात्रा बुक करने के लिए विप्रेषण	24	12	29	17	11	##	##	##	##
ड. अन्य	143	96	131	105	98	184	721	923	745
कुल (क से ड.)	**2,410**	**3,558**	**3,467**	**3,272**	**2,328**	**4,539**	**8,337**	**8,068**	**11,514**
3) बीमा खाता									
क. प्रीमियम									
i) जीवन	1	0	0	0	1	10	15	28	102
ii) जीवनेतर	10	9	25	5	10	336	243	82	128
iii) पुनर्बीमाकृत	76	180	178	295	266	299	581	382	567
ख. व्यवसाय पर कमीशन	6	0	3	0	0	12	28	23	27
ग. अन्य	29	34	74	50	86	65	249	127	220
कुल (क से ग)	**122**	**223**	**280**	**350**	**363**	**722**	**1,116**	**642**	**1,044**
4) अन्यत्र न शामिल की गई सरकारें									
क. भारतीय दूतावासों और राजनायक मिशनों का रख रखाव	237	262	209	195	186	339	445	285	273
ख. भारत में विदेशी दूतावासों और मिशनों द्वारा विप्रेषण	33	57	74	33	26	72	84	118	103
कुल (क से ख)	**270**	**319**	**283**	**228**	**212**	**411**	**529**	**403**	**376**

विवरण 3 : लेनदनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों का भुगतान *(जारी)*

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं. सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
5) विविध खाता									
क) संचार सेवाएं	190	127	370	965	772	738	289	796	859
ख) निर्माण सेवाएं	51	166	517	1,326	655	716	723	737	758
ग) वित्तीय सेवाएं	1,632	1,973	1,264	1,388	700	832	965	2,991	3,138
घ) सॉफ्टवेयर सेवाएं	138	591	672	737	476	800	1,338	2,267	3,058
ड.) समाचार एजेंसी सेवाएं	90	256	163	232	235	281	130	226	326
च) रॉयल्टी, कापी राइट और लाइसेंस शुल्क	311	235	361	352	444	712	594	1,030	1,088
छ) व्यवसाय सेवाएं (i से xii) $	1,152	1,022	1,501	1,812	2,550	7,318	7,748	15,866	16,715
i) मर्चेंटिंग सेवाएं						235	123	295	716
ii) व्यापार संबंधित सेवाएं						1,052	1,207	1,801	2,285
iii) आपरेशन लीजिंग सेवाएं						355	462	941	1,154
iv) विधि सेवाएं						73	82	161	402
v) लेखांकन/लेखा परीक्षा सेवाएं						13	20	58	69
vi) कारोबार प्रबंध एवं परामर्शी सेवाएं	795	546	533	648	814	1,279	1,806	3,486	3,653
vii) विज्ञापन / व्यापार मेला						514	420	1,786	1,302
viii) अनुसंधान और विकास सेवाएं						57	116	201	405
ix) वास्तुविद अभियांत्रिकी और अन्य तकनीकी सेवाएं						1,111	1,414	3,025	3,173
x) कृषि, खनन, और ऑनसाइट प्रोसेसिंग सेवाएं						7	15	74	50
xi) विदेश सेवा के कार्यालयों का रखरखाव	357	476	968	1,164	1,736	2,618	2,074	4,032	3,496
xii) पर्यावरण सेवाएं						4	9	6	9
ज) वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवाएं						102	84	117	199
i) धनवापसी / छूट	89	64	150	152	365	762	45	365	525
झ) अन्य सेवाएं $$	3,051	3,238	1,774	2,965	4,022	4,641	5,953	4,119	3,658
कुल (क से झ)	**6,704**	**7,672**	**6,772**	**9,929**	**10,219**	**16,902**	**17,869**	**28,514**	**30,324**
ख) अंतरण	**34**	**211**	**362**	**802**	**574**	**906**	**933**	**1,391**	**2,315**
1) सरकारी अंतरण									
i) सरकारी क्षेत्र से अनुंदान/दान	0	0	0	0	0	356	475	381	514
कुल	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**356**	**475**	**381**	**514**
2) निजी अंतरण									
i) परिवार निर्वाह और बचत आदि के लिए अनिवासियों द्वारा विप्रेषण	29	124	292	757	522	421	354	823	1,585
ii) व्यक्तिगत उपहार धर्मादाय/धार्मिक संस्थाओं को दान	5	87	70	45	52	129	104	187	216
जिसमें से :									
iii) वैयक्तिक उपहार और दान का विप्रेषण						108	96	157	182
iv) विदेश स्थित धर्मार्थ और धार्मिक संस्थानों को दान का विप्रेषण						17	7	18	24
v) अन्य सरकारों और सरकार द्वारा निर्मित धर्मार्थ संस्थाओं को दान और अनुदान के प्रति विप्रेषण						4	1	12	10
कुल (i से v)	**34**	**211**	**362**	**802**	**574**	**550**	**458**	**1,010**	**1,801**

विवरण 3 : लेनदनों की श्रेणी-वार अदृश्य भुगतान *(समाप्त)*

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं. सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ग. आय	**5,490**	**7,686**	**7,585**	**6,968**	**8,409**	**9,572**	**12,263**	**16,639**	**19,185**
क) कर्मचारियों को वेतन									
i) भारत में कार्यरत अनिवासियों को मजदूरी / वेतन का भुगतान	12	468	487	598	878	1,353	772	951	1,096
कुल	**12**	**468**	**487**	**598**	**878**	**1,353**	**772**	**951**	**1,096**
ख. निवेश आय									
i) अनिवासियों जमाराशियों पर ब्याज का भुगतान	1,742	1,811	1,808	1,413	1,642	1,353	1,497	1,969	1,815
ii) अनिवासियों से ऋणों पर ब्याज का भुगतान	3,037	2,930	2,855	2,594	3,469	2,450	4,320	3,792	5,070
iii) अनिवासी शेयर धारकों की लाभांश /लाभ का भुगतान	537	1,047	712	462	878	1,991	2,502	3,486	3,576
जिसमें से :									
अनिवासी शेयर धारक को लांभाश का भुगतान						1,578	2,400	3,235	3,348
अनिवासी शेयर धारक को लाभ का भुगतान						413	102	251	228
iv) पुनर्निवेशित आय	0	1,352	1,644	1,832	1,460	1,904	2,760	5,828	7,168
v) डिबेंचरों, एफआरएन, सीपी, सावधि जमाराशियों, सरकारी प्रतिभूतियों आदि पर ब्याज भुगतान	119	60	23	43	42	170	100	35	57
vi) एसडीआर पर प्रभार	30	16	52	20	16	19	17	30	21
vii) वोस्ट्रो खाते / नोस्ट्रो खाते के धारकों के ओवरड्राफ्टों पर अदा किया गया ब्याज	0	0	0	4	20	255	212	406	236
ix) भारतीयों द्वारा करों का भुगतान / अनिवासियों को सरकार द्वारा कर की धन-वापसी	13	2	4	2	4	77	83	142	146
कुल (i से ix)	**5,478**	**7,218**	**7,098**	**6,370**	**7,531**	**8,219**	**11,491**	**15,688**	**18,089**

आं.सं. : आंशिक रूप से संशोधित

@ : वर्ष 2004-05 से पूर्व अवधि के लिए समुद्री परिवहन एवं हवाई परिवहन के बीच 'आयात पर माल भाडे' के अलग-अलग आंकड़े अलग से उपलब्ध नही हैं। एतएव, इन्हें 'आयात पर माल भाडा' शीर्ष के अंतर्गत शामिल किया गया है।]

+ : डाटा कवरेज में सुधार के लिए 2004-05 में 'आयात पर माल भाडा' श्रेणी शुरू की गई थी।

: वर्ष 2004-05 से पूर्व अवधि के लिए समुद्री परिवहन एवं हवाई परिवहन के बीच 'आयात पर माल भाडे' के अलग-अलग आंकड़े अलग से उपलब्ध नही हैं। अतएव, इन्हें 'विदेश यात्रा बुक करने के लिए विप्रेषण' के अंतर्गत शामिल किया गया है।

@@ : 'समुद्री परिवहन' एवं 'हवाई परिवहन' के शीर्ष के अंतर्गत शामिल किया गया।

: 'समुद्री परिवहन' एवं हवाई परिवहन के शीर्ष के अंतर्गत शामिल किया गया।

$: ऐसे लेनदेन का रिकार्ड रखने के लिए रिपोर्टिंग पद्धति बनाई गई, अतः वर्ष 2004-05 से सेवाओं की नई श्रेणियां उपलब्ध हैं।

$$: वर्ष 2003-04 तक, अन्य में विज्ञापन, किराया, कार्यालय रखरखाव, पुरस्कार, प्रदर्शनी शामिल है और अन्य सेवाएं अन्यत्र शामिल नहीं की गई हैं।

विवरण 4 : श्रेणीवार अदृश्य वस्तुएं

(करोड़ रुपए)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं	2007-08 आं.सं
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
I. अदृश्य मदों की प्रप्तियां (क+ख+ग)	**1,31,449**	**1,47,778**	**1,75,108**	**2,02,757**	**2,45,413**	**3,11,550**	**3,97,660**	**5,17,146**	**5,96,954**
क. सेवाएं	**68,137**	**74,555**	**81,739**	**1,00,419**	**1,23,175**	**1,93,711**	**2,55,668**	**3,33,093**	**3,61,932**
1) यात्रा	13,166	16,064	14,975	15,991	23,054	29,858	34,871	41,127	45,524
2) परिवहन	7,400	9,364	10,326	12,261	14,714	21,021	28,023	36,049	40,200
3) बीमा	1,004	1,234	1,374	1,783	1,922	3,913	4,694	5,403	6,587
4) जीएनआईई	2,523	2,986	2,467	1,417	1,105	1,797	1,396	1,143	1,330
5) विविध	44,044	44,907	52,597	68,967	82,380	1,37,122	1,86,684	2,49,371	2,68,291
जिसमें से:									
सॉफ्टवेयर सेवाएं	17,412	29,013	36,038	46,424	58,781	79,404	1,04,632	1,41,356	1,62,020
ख. अंतरण	**54,939**	**60,948**	**77,289**	**85,289**	**1,04,329**	**97,201**	**1,13,566**	**1,42,037**	**1,77,737**
1) सरकारी अंतरण	1,659	1,156	2,197	2,174	2,531	2,762	2,970	2,864	3,025
2) निजी अंतरण	53,280	59,792	75,092	83,115	101,798	94,439	110,596	1,39,173	1,74,712
ग. आय	**8,373**	**12,275**	**16,080**	**17,049**	**17,909**	**20,638**	**28,426**	**42,016**	**57,285**
1) निवेश-आय	7,727	11,690	15,487	16,484	17,314	18,538	27,633	40,297	55,438
2) कर्मचारियों को वेतन	646	585	593	565	595	2,100	793	1,719	1847
II. अदृश्य मदों का भुगतान (क+ख+ग)	**74,421**	**1,02,639**	**1,03,727**	**1,20,400**	**1,18,044**	**1,71,959**	**2,11,733**	**2,81,567**	**2,97,336**
क. सेवाएं	**50,467**	**66,650**	**65,850**	**82,775**	**76,794**	**1,24,880**	**1,53,057**	**2,00,029**	**2,10,873**
1) यात्रा	9,268	12,741	14,336	16,155	16,534	23,571	29,432	30,249	37,173
2) परिवहन	10,450	16,172	16,486	15,828	10,688	20,363	36,928	36,504	46,277
3) बीमा	525	1,004	1,339	1,687	1,672	3,249	4,965	2,903	4,194
4) जीएनआईई	1,167	1,460	1,349	1,105	976	1,843	2,343	1,825	1,520
5) विविध	29,057	35,273	32,340	48,000	46,924	75,854	79,389	1,28,548	1,21,709
जिसमें से:									
सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,600	2,705	3,202	3,565	2,175	3,579	5,954	10,212	12,299
ख. अंतरण	**150**	**981**	**1,729**	**3,886**	**2,633**	**4,066**	**4,134**	**6,288**	**9,290**
1) सरकारी अंतरण	2	0	0	0	0	1,598	2,103	1,723	2,073
2) निजी अंतरण	148	981	1,729	3,886	2,633	2,468	2,031	4,565	7,217
ग. आय	**23,804**	**35,008**	**36,148**	**33,739**	**38,617**	**43,013**	**54,542**	**75,250**	**77,173**
1) निवेश-आय	23,747	32,885	33,830	30,847	34,586	36,947	51,112	70,955	72,769
2) कर्मचारियों को वेतन	57	2,123	2,318	2,892	4,031	6,066	3,430	4,295	4,404
निवल अदृश्य मदें (I-II)	**57,028**	**45,139**	**71,381**	**82,357**	**1,27,369**	**1,39,591**	**1,85,927**	**2,35,579**	**2,99,618**

सं : संशोधित   आं.सं. : आंशिक रूप से संशोधित

विवरण 5 : लेनदनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों की प्राप्तियां

(करोड़ रुपए)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं.सं
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अदृश्य मदों की प्राप्तियां (क+ख+ग)	**1,31,449**	**1,47,778**	**1,75,108**	**2,02,757**	**2,45,413**	**3,11,550**	**3,97,660**	**5,17,146**	**5,96,954**
क. सेवाएं	**68,137**	**74,555**	**81,739**	**1,00,419**	**1,23,175**	**1,93,711**	**2,55,668**	**3,33,093**	**3,61,932**
1) यात्रा खाता									
i) भारत में पर्यटन पर व्यय	13,166	16,064	14,975	15,991	23,054	29,858	34,871	41,127	45,524
कुल	**13,166**	**16,064**	**14,975**	**15,991**	**23,054**	**29,858**	**34,871**	**41,127**	**45,524**
2) परिवहन खाता									
क) समुद्री परिवहन									
i) विदेशों में परिचालित भारतीय कंपनियों द्वारा विप्रेषित अधिशेष	262	157	344	241	170	932	2,000	2,038	2,040
ii) भारत में विदेशी कंपनियों का परिचालन व्यय	696	398	495	695	1,325	2,075	2,824	4,181	3,105
iii) चार्टर किराया प्रभार	181	453	407	401	433	217	637	435	833
ख) हवाई परिवहन									
i) विदेशों में परिचालित भारतीय कंपनियों द्वारा विप्रेषित अधिशेष	781	851	739	820	444	589	885	1,389	2,751
ii) भारत में विदेशी कंपनियों का परिचालन व्यय	87	94	44	21	84	479	165	375	625
iii) चार्टर किराया प्रभार	103	19	85	21	81	82	93	156	167
ग) निर्यातों पर भाड़ा	4,617	6,670	7,053	8,775	11,329	16,445	19,524	24,791	27,796
घ) अन्य	673	722	1,159	1,287	848	202	1,895	2,684	2,883
कुल (क से घ)	**7,400**	**9,364**	**10,326**	**12,261**	**14,714**	**21,021**	**28,023**	**36,049**	**40,200**
3) बीमा खाता									
क) निर्यात बीमा	832	1,111	1,179	1,466	1,711	2,148	2,548	3,243	3,874
ख) प्रीमियम									
i) जीवन	3	4	26	101	3	114	166	294	393
ii) जीवनेतर	31	24	32	28	54	1,302	346	514	534
iii) विदेशी कंपनियों से पुनर्बीमाकृत	43	18	40	76	40	87	876	366	737
ग) विदेशी कंपनियों से प्राप्त व्यवसाय पर कमीशन	2	7	15	18	23	131	375	358	501
घ) अन्य	93	70	82	94	91	131	383	628	548
कुल (क से घ)	**1,004**	**1,234**	**1,374**	**1,783**	**1,922**	**3,913**	**4,694**	**5,403**	**6,587**
4) सरकार जिसे अन्यत्र शामिल नहीं किया गया									
क) भारत में विदेशी दूतावासों और राजनियक मिशनों का रखरखाव	887	1,019	935	860	850	1,025	923	625	795
ख) भारत में अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संस्थाओं का रखरखाव	1,636	1,967	1,532	557	255	772	473	518	535
कुल (क से ख)	**2,523**	**2,986**	**2,467**	**1,417**	**1,105**	**1,797**	**1,396**	**1,143**	**1330**
5) विविध खाता									
क) संचार सेवाएं	4,601	5,262	3,585	3,931	4,535	6,191	7,000	10,227	9,683
ख) निर्माण सेवाएं	1,691	2,430	696	863	2,097	2,184	1,074	3,156	3,071
ग) वित्तीय सेवाएं	1,569	1,577	1,387	3,276	1,372	2,279	5,355	14,010	12,918
घ) सॉफ्टवेयर सेवाएं	17,412	29,013	36,038	46,424	58,781	79,404	1,04,632	1,41,356	1,62,020
जिसमें से: आइ टी सेवाएं	14,929	24,758	28,908	34,334	42,249	58,768	76,667	1,03,484	1,18,198
आइटीइएस - बीपीओ	2,483	4,255	7,130	12,090	16,532	20,636	27,965	37,872	43,822
ड.) समाचार एजेंसी सेवाएं	1,485	511	43	284	321	769	818	1,509	2,035
च) रॉयल्टी, कापी राइट और लाइसेंस फीस	237	272	104	111	146	316	862	435	631

विवरण 5 : लेनदनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों की प्राप्तियां *(जारी)*

(करोड़ रुपए)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 स	2007-08 आं.सं
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
छ) कारोबार सेवाएं (1 से 12)$	2,790	1,522	2,464	3,890	5,937	23,067	41,356	65,738	67,424
i) मर्चेंटिंग सेवाएं						1,248	1,725	1,071	1,676
ii) व्यापार संबंधित सेवाएं						1,923	2,310	5,960	8,976
iii) परिचालनात्मक पट्टा सेवाएं						123	476	451	1,909
iv) कानूनी सेवाएं						1,126	1,230	2,736	2,822
v) लेखांकन/लेखा परीक्षा सेवाएं				170	302	795	918		
vi) कारोबार प्रबंध एवं परामर्शी सेवाएं	2,790	1,522	2,464	3,890	5,937	6,955	10,285	20,231	17,819
vii) विज्ञापन / व्यापार मेला						726	1,528	3,122	2,862
viii) अनुसंधान और विकास सेवाएं						985	1,754	3,430	5,364
ix) वास्तुविद अभियांत्रिकी और अन्य तकनीकी सेवाएं						6,325	14,163	15,678	12,649
x) कृषि, खनन, और ऑनसाइट प्रोसेसिंग सेवाएं						236	143	217	229
xi) विदेश सेवा के कार्यालयों का रखरखाव						3,227	7,051	11,924	11,500
xii) पर्यावरण सेवाएं						23	389	125	700
ज) वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवाएं						466	838	1,094	2,259
i) धनवापसी / छूट	231	238	258	213	234	1,716	332	1,312	1,354
झ) अन्य सेवाएं$$	14,028	4,082	8,022	9,975	8,957	20,730	24,417	10,532	6,896
कुल (क से झ)	**44,044**	**44,907**	**52,597**	**68,967**	**82,380**	**1,37,122**	**1,86,684**	**2,49,371**	**2,68,291**
ख) अंतरण	**54,939**	**60,948**	**77,289**	**85,289**	**1,04,329**	**97,201**	**1,13,566**	**1,42,037**	**1,77,737**
1) सरकारी अंतरण									
i) अनिवासियों से प्राप्त दान	174	393	211	156	413	256	236	281	271
ii) पीएल 480 II के अन्तर्गत अनुदान	414	439	323	280	153	135	169	142	113
iii) अन्य सरकारों से अनुदान	1,071	324	1,663	1,738	1,965	2,371	2,565	2,441	2,641
कुल (i से iii)	**1,659**	**1,156**	**2,197**	**2,174**	**2,531**	**2,762**	**2,970**	**2,864**	**3,025**
2) निजी अंतरण									
i) परिवार निर्वाह आदि के लिए विदेश स्थित भारतीय कामगारों से आवक विप्रेषण	32,192	35,507	31,361	47,915	47,648	44,559	46,290	73,518	93,358
ii) अनिवासी जमाराशियों से स्थानीय आहरण/चुकौती	17,849	21,577	40,654	32,147	48,565	40,105	55,269	59,594	75,968
iii) यात्री सामान के माध्यम से लाया गया सोना और चांदी	57	44	61	89	86	118	69	121	106
iv) भारत में व्यक्तिगत उपहार, धर्मार्थ/धार्मिक संस्थानों को दान	3,182	2,664	3,016	2,964	5,499	9,657	8,968	5,940	5,280
कुल (i से iv)	**53,280**	**59,792**	**75,092**	**83,115**	**101,798**	**94,439**	**1,10,596**	**1,39,173**	**1,74,712**
ग. आय खाता	**8,373**	**12,275**	**16,080**	**17,049**	**17,909**	**20,638**	**28,426**	**42,016**	**57,285**
1) कर्मचारियों को वेतन									
i) विदेशी करारों पर कार्य करने वाले भारतीय कामगारों द्वारा प्राप्त मजदूरी	646	585	593	565	595	2,100	793	1,719	1,847

विवरण 5 : लेनदनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों की प्राप्तियां *(समाप्त)*

(करोड़ रुपए)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं.सं
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2) निवेश आय									
i) अनिवासियों को ऋणों पर प्राप्त ब्याज	256	384	959	745	910	293	449	739	5,882
ii) विदेशी निवेश पर भारतीयों द्वारा प्राप्त लाभांश/लाभ	68	54	273	64	184	407	992	2,036	1,908
जिसमें से :									
विदेशी निवेश पर भारतीयों द्वारा प्राप्त लाभांश	#	#	#	#	#	194	122	618	526
विदेशी निवेश पर भारतीयों द्वारा प्राप्त लाभ	#	#	#	#	#	213	870	1,418	1,382
iii) पुनर्निवेशित आय	0	1,553	3,339	5,342	2,536	1,114	4,835	4,869	4,364
iv) डिबेंचर, एफ आर एन, वाणिज्यिक पत्र, जमाराशियों पर प्राप्त ब्याज और विदेशी मुद्रा ऋणों/निर्यात आय से प्राधिकृत व्यापारियों द्वारा विदेश में धारित निधियां	50	86	63	69	137	813	453	289	422
v) प्राधिकृत व्यापारियों द्वारा विदेशी सह प्रतिनिधियों / शाखाओं के वोस्ट्रो खातों के ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	38	26	3	5	1	1,518	488	1,177	907
vi) अनिवासियों द्वारा कर-भुगतान / भारतीयों को विदेशी सरकार द्वारा कर की वापसी	854	313	626	100	720	774	256	1,148	1,291
vii) ब्याज/बट्टा, आय आदि, भारिबैं के निवेश पर आय	5,992	8,927	8,344	8,885	9,708	13,543	20,070	29,980	40,648
viii) एसडीआर धारिताओं पर ब्याज / लाभ	37	35	37	64	46	76	90	59	16
ix) अन्य	432	312	1,843	1,210	3,072	0	0	0	0
कुल (i से ix)	**7,727**	**11,690**	**15,487**	**16,484**	**17,314**	**18,538**	**27,633**	**40,297**	**55,438**

विवरण 6 : लेनदेनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों का भुगतान

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं	2007-08 आं.सं
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अदृश्य मदों के भुगतान (क+ख+ग)	**74,421**	**1,02,639**	**1,03,727**	**1,20,400**	**1,18,044**	**1,71,959**	**2,11,733**	**2,81,567**	**2,97,336**
क) सेवाएं	**50,467**	**66,650**	**65,850**	**82,775**	**76,794**	**1,24,880**	**1,53,057**	**2,00,029**	**2,10,873**
1) यात्रा खाता									
i) व्यवसाय	5,490	7,200	7,001	9,617	12,449	14,451	15,296	12,758	13,255
ii) स्वास्थ्य संबंधी	13	18	18	18	26	59	167	61	71
iii) शिक्षा संबंधी	263	435	1,182	818	1,082	2,892	4,921	5,009	11,302
iv) बेसिक ट्रैवल कोटा (बीटीक्यू)	1,638	1,738	2,465	3,830	2,063	5,226	5,473	8,154	7,924
v) तीर्थयात्रा	602	867	541	604	72	144	122	527	352
vi) अन्य	1,262	2,483	3,129	1,268	842	799	3,453	3,740	4,269
कुल (i से vi)	**9,268**	**12,741**	**14,336**	**16,155**	**16,534**	**23,571**	**29,432**	**30,249**	**37,173**
2) परिवहन खाता									
क) समुद्री परिवहन									
i) भारत में परिचालित विदेशी कंपनियों द्वारा विप्रेषित अधिशेष	1,681	1,872	2,245	1,603	683	4,529	7,274	8,640	6,685
ii) विदेश में भारतीय कंपनियों का परिचालन व्यय	1,757	3,736	2,125	2,439	1,670	1,493	4,455	2,486	3,627
iii) चार्टर किराया प्रभार	501	700	534	540	459	389	369	383	595
iv) आयातों पर भाड़ा	@	@	@	@	@	3,924	6,659	6,076	11,851
v) निर्यातों पर भाड़ा	..	..	..	..	..	2,328	2,573	3,210	3,128
vi) विदेश यात्रा बुक करने के लिए विप्रेषण	#	#	#	#	#	114	53	25	17
ख) हवाई परिवहन									
i) भारत में परिचालित विदेशी कंपनियों द्वारा विप्रेषित अधिशेष	3,561	5,632	6,477	6,827	2,999	5,156	9,683	8,320	10,632
ii) विदेश में भारतीय कंपनियों का परिचालन व्यय	580	444	529	539	611	459	1,268	1,086	2,267
iii) चार्टर किराया प्रभार	324	336	333	391	280	217	626	1,077	2,063
iv) आयातों पर भाड़ा	@	@	@	@	@	528	557	792	2,222
v) निर्यातों पर भाड़ा	..	..	..	..	..	264	180	144	110
vi) विदेश यात्रा बुक करने के लिए विप्रेषण	#	#	#	#	#	138	37	58	102
ग. आयातों पर भाड़ा	1,317	2,970	3,482	2,895	3,503	@@	@@	@@	@@
घ. विदेशी यात्रा बुक करने के लिए विप्रेषण	104	52	136	80	48	##	##	##	##
ङ. अन्य	625	430	625	514	435	824	3,192	4,207	2,978
कुल (क से घ)	**10,450**	**16,172**	**16,486**	**15,828**	**10,688**	**20,363**	**36,928**	**36,504**	**46,277**
3) बीमा खाता									
क. प्रीमियम									
i) जीवन	3	1	3	2	4	42	64	128	409
ii) जीवनेतर	45	37	123	22	47	1,511	1,076	372	513
iii) पुनर्बीमाकृत	328	805	850	1,421	1,224	1,350	2,588	1,729	2,278
ख. व्यवसाय पर कमीशन	24	1	15	3	2	54	124	103	109
ग. अन्य	125	160	348	239	395	292	1,113	571	885
कुल (क से ग)	**525**	**1,004**	**1,339**	**1,687**	**1,672**	**3,249**	**4,965**	**2,903**	**4,194**
4) अन्यत्र न शामिल की गई सरकारें									
क. भारतीय दूतवासों और राजनयिक मिशनों का रखरखाव	1,023	1,199	1,002	938	855	1,516	1,971	1,284	1,100
ख. भारत में विदेशी दूतावासों और मिशनों द्वारा विप्रेषण	144	261	347	167	121	327	372	541	421
कुल (क से ख)	**1,167**	**1,460**	**1,349**	**1,105**	**976**	**1,843**	**2,343**	**1,825**	**1,520**

विवरण 6 : लेनदेनों की श्रेणी-वार अदृश्य मदों का भुगतान (जारी)

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं	2007-08 आं.सं
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
5. विविध खाता									
क) संचार सेवाएं	826	583	1,767	4,704	3,547	3,298	1,285	3,589	3,459
ख) निर्माण सेवाएं	220	757	2,446	6,391	2,995	3,217	3,209	3,337	3,047
ग) वित्तीय सेवाएं	5,785	8,991	6,046	6,765	3,217	3,735	4,265	13,460	12,581
घ) सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,600	2,705	3,202	3,565	2,175	3,579	5,954	10,212	12,299
ड.) समाचार एजेंसी सेवाएं	693	1,167	777	1,122	1,080	1,251	576	1,015	1,322
च) रॉयल्टी, कापी राइट और लाइसेंस फीस	1,351	1,073	1,723	1,703	2,039	3,185	2,640	4,632	4,370
छ) व्यवसाय सेवाएं (i से xii) $	5,003	4,674	7,154	8,768	11,711	32,807	34,428	71,500	67,105
i) मर्चेंटिंग सेवाएं						1,055	547	1,324	2,885
ii) व्यापार संबंधित सेवाएं						4,741	5,352	8,118	9,189
iii) परिचालनात्मक पट्टा सेवाएं						1,584	2,052	4,249	4,626
iv) विधि सेवाएं						327	363	724	1,619
v) लेखांकन/लेखा परीक्षा सेवाएं						58	89	263	276
vi) कारोबार प्रबंध एवं परामर्शी सेवाएं	3,456	2,499	2,537	3,135	3,734	5,708	10,769	15,739	14,674
vii) विज्ञापन / व्यापार मेला						2,298	1,860	7,974	5,236
viii) अनुसंधान और विकास सेवाएं						254	515	906	1,628
ix) वास्तुविद अभियांत्रिकी और अन्य तकनीकी सेवाएं						4,987	6,293	13,630	12,730
x) कृषि, खनन, और ऑनसाइट प्रोसेसिंग सेवाएं						30	67	333	202
xi) विदेश सेवा के कार्यालयों का रखरखाव	1,547	2,175	4,617	5,633	7,977	11,746	6,480	18,215	14,002
xii) पर्यावरण सेवाएं						19	41	27	38
ज) वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवाएं						461	371	525	800
झ) धनवापसी / छूट	387	292	715	736	1,677	3,437	201	1,655	2,107
ञ) अन्य सेवाएं $$	13,192	15,031	8,510	14,246	18,483	20,884	26,460	18,621	14,618
कुल (क से ञ)	**29,057**	**35,273**	**32,340**	**48,000**	**46,924**	**75,854**	**79,389**	**1,28,548**	**1,21,709**
ख) अंतरण	**150**	**981**	**1,729**	**3,886**	**2,633**	**4,066**	**4,134**	**6,288**	**9290**
1. सरकारी अंतरण									
i) सरकारी क्षेत्र से प्राप्त अनुदान /दान	2	0	0	0	0	1,598	2,103	1,723	2073
कुल	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1,598**	**2,103**	**1,723**	**2073**
2. निजी अंतरण									
i) परिवार निर्वाह और बचत आदि के लिए अनिवासियों द्वारा विप्रेषण	125	581	1,392	3,668	2,387	1,887	1,569	3,719	6,348
ii) धर्मादाय/धार्मिक संस्थाओं को व्यक्तिगत उपहार, दान	23	400	337	218	246	581	462	846	869
जिसमें से :									
iii) वैयक्तिक उपहारों और दान का विप्रेषण						488	426	714	731
iv) विदेश में धार्मिक / धार्मिक संस्थानों को विप्रेषण						75	32	79	97
v) अन्य सरकारी और सरकार द्वारा स्थापित धर्मार्थ संस्थाओं को दान और अनुदान का विप्रेषण						18	4	53	41
कुल (I से v)	**148**	**981**	**1,729**	**3,886**	**2,633**	**2,468**	**2,031**	**4,565**	**7,217**

विवरण 6 : लेनदेनों की श्रेणी-वार अदृश्य प्राप्तियां (समाप्त)

(मिलियन अमरीकी डालर)

मदें	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07 सं.	2007-08 आं.सं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
3. आय	**23,804**	**35,008**	**36,148**	**33,739**	**38,617**	**43,013**	**54,542**	**75,250**	**77,173**
क. कर्मचारियों को वेतन									
i) भारत में कार्य करने वाले अनिवासियों को मजदूरी / वेतन का भुगतान	57	2,123	2,318	2,892	4,031	6,066	3,430	4,295	4,404
कुल	**57**	**2,123**	**2,318**	**2,892**	**4,031**	**6,066**	**3,430**	**4,295**	**4,404**
ख. निवेश आय									
i) एनआरआइ जमाराशियों पर ब्याज का भुगतान	7,549	8,276	8,621	6,845	7,536	6,071	6,634	8,909	7,317
ii) अनिवासियों से ऋणों पर ब्याज का भुगतान	13,167	13,401	13,599	12,565	15,920	11,001	19,215	17,136	20,387
iii) अनिवासी शेयर धारकों के लाभांश /लाभ का भुगतान	2,333	4,676	3,397	2,237	4,041	8,969	11,123	15,774	14,355
जिसमें से :									
अनिवासी शेयर धारक को लांभाश का भुगतान						7,120	10,674	14,634	13,442
अनिवासी शेयर धारक को लाभ का भुगतान						1,849	449	1,140	913
iv) पुनर्निवेश आय	0	6,177	7,841	8,866	6,710	8,555	12,219	26,371	28859
v) डिबेंचरों, एफआरएन, वाणिज्य पत्र, सावधि जमाराशियों, सरकारी प्रतिभूति आदि पर ब्याज भुगतान	512	271	103	207	192	766	532	158	225
vi) एसडीआर पर प्रभार	132	73	248	96	73	86	75	135	85
vii) वोस्ट्रो खाता धारकों के ओवरड्राफ्ट /नोस्ट्रो खाता धारकों के ओडी के ब्याज भुगतान	2	2	2	22	92	1,154	945	1,829	954
ix) भारतीयों द्वारा करों का भुगतान / सरकार द्वारा अनिवासियों को करों की वापसी	52	9	19	9	22	345	369	643	587
कुल (i से ix)	**23,747**	**32,885**	**33,830**	**30,847**	**34,586**	**36,947**	**51,112**	**70,955**	**72,769**

आं.सं.: आंशिक रूप से संशोधित

@ : वर्ष 2004-05 से पूर्व अवधि के लिए समुद्री परिवहन एवं हवाई परिवहन के बीच 'आयात पर माल भाडे' केअलग-अलग आंकड़े अलग से उपलब्ध नही हैं। अतएव, इन्हें 'आयात पर माल भाडा' शीर्ष के अंतर्गत शामिल किया गया है।

+ : डाटा कवरेज के सुधार के लिए 2004-05 में 'आयात पर माल भाडा' श्रेणी शुरू की गई थी।

: वर्ष 2004-05 से पूर्व अवधि के लिए समुद्री परिवहन एवं हवाई परिवहन के बीच 'आयात पर माल भाडे' के अलग-अलग आंकड़े अलग से उपलब्ध नही हैं। अतएव, इन्हें 'विदेश यात्रा बुक करने केलिए विप्रेषण' के अंतर्गत शामिल किया गया है ।

@@ : 'समुद्री परिवहन' एवं 'हवाई परिवहन' के शीर्ष के अंतर्गत शामिल प्रस्तुत किया गया।

: समुद्री परिवहन और 'हवाई परिवहन' शीर्ष के अंतर्गत शामिल किया गया।

$: ऐसे लेनदेन का रिकार्ड रखने के लिए रिपोर्टिंग पद्धति बनाई गई, अतः वर्ष 2004-05 से सेवाओं की नई श्रेणियां उपलब्ध हैं।

$$: वर्ष 2003-04 तक, अन्य में विज्ञापन, किराया, कार्यालय रखरखाव, पुरस्कार, प्रदर्शनी शामिल है और अन्य सेवाएं अन्यत्र शामिल नहीं की गई हैं।

अनुबंध 1 : भारत के अदृश्य मदों का समेकन तथा प्रसार

भारत के अदृश्य मदों के ब्योरे भारतीय भुगतान संतुलन का हिस्सा है और इन्हें दो चरणों में जारी किया जाता है, अर्थात् (i) मुख्य शीर्षों सहित मानक प्रस्तुतीकरण, और (ii) मुख्य शीर्षों के अलग-अलग हिस्सों को दिखाते हुए विस्तृत प्रस्तुतीकरण। पहले चरण में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के विशेष आंकड़ा प्रसार मानक (एसडीडीएस) को पूरा करने के लिए भुगतान संतुलन के भाग के रूप में तिमाही आधार पर अदृश्य मदों के महत्वपूर्ण घटकों को जारी किया जाता है। ये तिमाही ब्योरे भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर जारी किए जाते हैं तथा इन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन में भी प्रकाशित किया जाता है। पहले चरण में इनका कवरेज इन मुख्य शीर्षों तक सीमित रहता हैः सेवाएं (यात्रा, यातायात, बीमा, सरकारी तथा वे सेवाएं जो अन्यत्र शामिल नहीं की गई हैं यथा साफ्टवेयर सेवाएं, कारोबारी सेवाएं, वित्तीय सेवाएं एवं संचार सेवाएं), अंतरण (निजी एवं आधिकारिक अंतरण) तथा आय (निवेश आय तथा कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति)। दूसरे चरण में, जब डाटा पूरी तरह उपलब्ध होने लगता है तथा अधिक ब्योरे उपलब्ध होते हैं तब अदृश्यों मदों के अलग-अलग ब्यौरे समेकित किए जाते हैं एवं इन्हें वार्षिक आधार पर उपलब्ध कराया जाता है। ये अलग-अलग आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन में ''भारत के भुगतान संतुलन में अदृश्य मदें'' शीर्ष से प्रकाशित किए जाते हैं।

अदृश्य मद संबंधी ब्योरे भारतीय भुगतान संतुलन के रिकार्ड से लिए जाते हैं तथा भुगतान संतुलन के ब्योरे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के भुगतान मैनुअल के पांचवें संस्करण (बीपीएम 5), 1993 के दिशानिर्देशों के अनुसार संकलित किए जाते हैं, पर इनमें भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप कुछ बदलाव भी किए गए हैं। भुगतान संतुलन मैनुअल में भुगतान संतुलन को एक ऐसे सांख्यिकीय विवरण के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें शेष विश्व के साथ निर्धारित समयावधि में किसी अर्थव्यवस्था के आर्थिक लेनदनों का सार सुव्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाता है। निवासी और अनिवासियों के बीच होनेवाले लेनदेनों में माल, सेवा तथा आय सम्मिलित है, जिसमें शेष विश्व के प्रति वित्तीय दावे तथा देयताएं शामिल होती हैं; और वे जिन्हें अंतरण के रूप में वर्गीकृत किया गया होता है और इसमें एकतरफा शेष लेनदेनों के संतुलन के लिए प्रविष्टियों का समंजन भी शामिल होता है।

सेवा क्षेत्र के बढ़ते महत्व को समझते हुए और विस्तारित भुगतान संतुलन के समेकन की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से रिज़र्व बैंक ने सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय कारोबार की सांख्यिकी पर गठित तकनीकी समिति की रिपोर्ट के आधार पर एक व्यवस्था शुरू की। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 2002 में प्रस्तुत की थी। इस व्यवस्था के अनुसार गेट्स फ्रेमवर्क के अधीन सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय कारोबार में चल रहे वार्तालाप के मद्देनज़र भारत में सेवाओं के कारोबार से संबंधित व्यापक सूचना एकत्र करने में रिज़र्व बैंक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। नई रिपोर्टिंग व्यवस्था के अंतर्गत 2004-05 में कुछ नए उद्देश्य कोड शुरू किए गए ताकि उभरती कारोबारी सेवाओं के लिए अलग-अलग डाटा एकत्र किया जा सके। इन सेवाओं में शामिल हैं - मर्चेंटिंग सेवाएं कारोबार संबंधी सेवाएं, परिचालन पट्टा संबंधी सेवाएं, विधिक सेवाएं, लेखा सेवाएं, कारोबार एवं प्रबंधन सेवाएं, विज्ञापन सेवाएं, अनुसंधान एवं विकासात्मक सेवाएं, वास्तुविद एवं इंजीनियरिंग सेवाएं, कृषि सेवाएं, कार्यालय रखरखाव सेवाएं, पर्यावरण संबंधी सेवाएं, तथा वैयक्तिक एवं सांस्कृतिक सेवाएं। इनके बारे में भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के नवंबर 2006 अंक में छपे पिछले आलेख में जानकारी दी गई है।

अनुबंध 2 : अदृश्य मदों के घटकों के परिभाषित पहलू के ब्यौरे	
मद	**विवरण**
1. सेवाएं	
(i) यात्रा	'यात्रा' में प्राप्ति पक्ष में विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में किए गए सभी व्यय तथा भुगतान पक्ष में भारतीय पर्यटकों द्वारा विदेश में किए गए सभी व्यय शामिल हैं। यात्रा प्राप्ति मुख्यतः एक निश्चित समयवधि में भारत में आए विदेशी पर्यटकों पर निर्भर करती है।
(ii) यातायात	'यातायात' में माल ढुलाई तथा व्यक्तियों को एक स्थान से दूसरे स्थान लाने-ले जाने के साथ-साथ पण्य व्यापार के संबंध में की जाने वाली संवितरण सेवाओं (बंदरगाह प्रभार, बंकर ईंधन, जहाजी कुली, अनुतट यात्रा, अनुतट यात्रा, वेयरहाउसिंग) की प्राप्ति तथा भुगतान के रिकॉर्ड को शामिल किया जाता हैं।
(iii) बीमा	''बीमा'' में निर्यात/आयात बीमा, जीवन बीमा तथा गैर-जीवन बीमा पालिसी पर प्रीमियम तथा विदेशी बीमा कंपनियों से पुनः बीमा प्रीमियम शामिल हैं।
(iv) सरकार अन्यत्र शामिल नहीं (जीएनआइई)	'सरकार अन्यत्र शामिल नहीं (जीएनआइई)' विदेशी दूतावासों के रखरखाव, राजनयिक मिशनों, तथा अंतरराष्ट्रीय /क्षेत्रीय संस्थानों के लिए प्राप्त विप्रेषणों का प्रतिनिधित्व करता है। जबकि विदेश में दूतावासों तथा राजनयिक मिशनों के रखरखाव के लिए भेजा जानेवाला विप्रेषण में आता है।
(v) विविध सेवाएं	''विविध सेवाएं'' में संचार सेवाएं, विनिर्माण सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, साफ्टवेयर सेवाएं, समाचार एजेंसी सेवाएं, रायल्टी, कापीराइट तथा लाइसेंस शुल्क, वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवाएं, प्रबंधन सेवाएं तथा कारोबारी सेवाएं शामिल हैं। कारोबारी सेवाओं में मर्चेंटिंग सेवाएं, व्यापार संबधी सेवाएं, परिचालन पट्टा सेवाएं, विविध सेवाएं, लेखा सेवाएं, व्यापार एवं प्रबंधन सेवाएं, परामर्शी सेवाएं, विज्ञापन सेवाएं, अनुसंधान और विकास सेवाएं, वास्तुविद एवं इंजीनियरिंग सेवाएं, कृषि सेवाएं, खनन और ऑन साइट प्रक्रिया सेवाएं, कार्यालय परामर्शी सेवाएं, रखरखाव सेवाएं, पर्यावरण संबंधी तथा संवितरण सेवाएं शामिल हैं।
2. निवेश आय	'निवेश आय' पूंजीगत लेनदेनों (ऋण एवं ऋणेतर दोनों) की चुकौती का प्रतिनिधित्व करती है। पूंजीगत लेनदेनों की चुकौती के लिए ये लेनदेन ब्याज, लाभांश, आय तथा अन्य के रूप में होते हैं। ब्याज भुगतान जहां ऋण देयताओं की चुकौती का प्रतिनिधित्व करते हैं वहीं लाभांश तथा लाभ भुगतान ऋणेतर देयताओं (विदेशी प्रत्यक्ष निवेश तथा पोर्टफोलियो निवेश) को प्रदर्शित करते है। निवेश आय भुगतान भारत की बाह्य देयताओं के अनुसार होते हैं जबकि निवेश आय प्राप्ति विदेशी मुद्रा रिज़र्व सहित भारत की बाहरी आस्तियों से संबंधित हैं। बीपीएम5 के अनुसरण में 1997-98 से ''कर्मचारियों का वेतन'' ''आय'' शीर्ष में दिखाया जा रहा है।
3. अंतरण	'अंतरण' एकतरफा लेनदेन का प्रतिनिधित्व करते हैं अर्थात ऐसे लेनदेन जिनमें प्रतिकर नहीं देना होता है जैसे अनुदान, उपहार तथा पारिवारिक खर्चे हेतु प्रवासियों द्वारा विप्रेषण के माध्यम से भेजे जाने वाले अंतरण, प्रवासियों की निवास की स्थिति में परिवर्तन होने से उनकी बचत तथा वित्तीय अंतरण व वास्तविक संसाधनों के प्रत्यावर्तन। आधिकारिक अंतरण प्राप्ति में अनुदान, दान तथा द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय संस्थाओं से सरकार को प्राप्त अन्य सहायता शामिल की जाती है। इसी तरह, भारत सरकार द्वारा अन्य देशों को किए जाने वाले अंतरण आधिकारिक अंतरण भुगतान में शामिल किए जाते हैं।